ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 305 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
11 मई 2026 सोमवार

आज का मौसम
40.4 अधिकतम
25.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

शशि थरूर के विरोधाभासी तर्कों से सियासी समझ पर उठते सवाल...

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पश्चिम बंगाल और केरल के चुनाव परिणामों को लेकर जो टिप्पणी की है, उसने पहली बार उनकी राजनीतिक समझ पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आमतौर पर गंभीर और अध्ययनशील माने जाने वाले थरूर ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आयोजित स्टैनफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस की एक गोलमेज चर्चा में कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा और केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ की जीत के पीछे मतदाता सूची पुनरीक्षण यानी एसआईआर की भूमिका हो सकती है।

लोकतंत्र में बहस और सवाल उठाना स्वस्थ परंपरा है, लेकिन जब तर्क विरोधाभासी हो जाएं तो वे राजनीतिक विश्लेषण से अधिक कुतर्क लगने लगते हैं। थरूर के बयान में यही सबसे बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में एसआईआर के दौरान हटाए गए लगभग 91 लाख नामों में से 34 लाख लोगों ने अपील दायर कर स्वयं को वैध मतदाता बताया। उनका संकेत था कि यदि इन अपीलों का समय रहते निपटारा हो जाता तो चुनाव परिणाम अलग हो सकते थे। दूसरी तरफ उन्होंने यह भी कहा कि केरल में यूडीएफ की जीत का एक कारण यह भी हो सकता है कि एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से फर्जी या डुप्लीकेट नाम हटाए गए, जिनका लाभ कांग्रेस गठबंधन को मिला। यानी बंगाल में वोट कटे तो लोकतंत्र प्रभावित हुआ, लेकिन केरल में वोट कटे तो वही प्रक्रिया चुनावी शुद्धिकरण बन गई। यही विरोधाभास उनके पूरे तर्क को कमजोर करता है।

क्या केवल एसआईआर से हार-जीत तय हुई?

अब तक ऐसा कोई सार्वजनिक प्रमाण सामने नहीं आया है जिससे यह साबित हो कि बंगाल में अपील करने वाले सभी 34 लाख लोग वास्तविक और वैध मतदाता थे। केवल अपील दर्ज कराने से कोई मतदाता स्वतः वैध नहीं हो जाता। और यदि मान भी लिया जाए कि वे सभी वैध थे, तब भी यह निष्कर्ष कैसे निकाला जा सकता है कि वे सभी भाजपा के विरोध में ही मतदान करते? इसी तरह केरल में यह मान लेना कि हटाए गए नाम केवल वाममोर्चा समर्थकों के थे, पूरी तरह अनुमान आधारित राजनीतिक निष्कर्ष है। सवाल यह भी है कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण करने वाले सरकारी कर्मचारियों को यह कैसे पता था कि कौन मतदाता किस दल को वोट देगा? दरअसल, बंगाल के चुनाव परिणामों को केवल एसआईआर से जोड़ना वहां की वास्तविक राजनीतिक परिस्थितियों की अनदेखी करना है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस और वाममोर्चा भी लगभग सभी सीटों पर मैदान में थे। ममता बनर्जी से अलग हुए हुमायूं कबीर और उनकी पार्टी ने भले केवल दो सीटें जीतीं, लेकिन उन्होंने मुस्लिम बहुल इलाकों में टीएमसी को बड़ा नुकसान पहुंचाया। खासकर, मुर्शिदाबाद और सिलीगुड़ी की चिकन नेक से जुड़े क्षेत्रों में इसका असर स्पष्ट दिखाई दिया। कांग्रेस और वाममोर्चा का प्रदर्शन सीटों में भले कमजोर रहा, लेकिन उनका संयुक्त वोट प्रतिशत लगभग साढ़े सात फीसदी था। वोटों की संख्या के हिसाब से देखें तो करीब चालीस लाख वोट इन दोनों दलों को मिले। स्वाभाविक है कि इसका बड़ा हिस्सा टीएमसी के पारंपरिक वोट बैंक से आया।

केरलम में अलग था चुनावी गणित

केरलम में भी तस्वीर केवल एसआईआर तक सीमित नहीं थी। वहां भाजपा भले ही सीमित सीटें जीत सकी, लेकिन उसका राजनीतिक प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। भाजपा की बढ़ती स्वीकार्यता के नैरेटिव ने मुस्लिम और ईसाई मतदाताओं को पहले से अधिक एकजुट किया। इसका सीधा लाभ कांग्रेस और उसकी सहयोगी मुस्लिम लीग को मिला। करीब 25 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम मतदाताओं ने रणनीतिक वोटिंग करते हुए यूडीएफ को प्राथमिकता दी। यही यूडीएफ की बड़ी जीत का सबसे महत्वपूर्ण कारण बना।

मेरा निष्कर्ष

यदि शशि थरूर एसआईआर को चुनाव परिणामों का निर्णायक कारण मानते हैं, तो उन्हें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि एसआईआर केवल वोट काटने की प्रक्रिया नहीं थी। इसका उद्देश्य अपात्र मतदाताओं को हटाना और नए पात्र मतदाताओं को जोड़ना भी था। चुनावी विश्लेषण को केवल मतदाता सूची के बदलाव तक सीमित कर देना राजनीतिक वास्तविकताओं को सरल बना देना है। बंगाल में भाजपा की जीत का कारण कांग्रेस, वाममोर्चा और हुमायूं कबीर की मौजूदगी से टीएमसी वोटों का विभाजन बना। वहीं केरल में भाजपा के बढ़ते प्रभाव के डर ने अल्पसंख्यक मतदाताओं को यूडीएफ के पक्ष में अभूतपूर्व तरीके से एकजुट कर दिया। इसलिए यह कहना कि भाजपा ने कुछ खास नहीं किया और केवल एसआईआर के कारण चुनाव जीत गई, न तो राजनीतिक रूप से संतुलित निष्कर्ष है और न ही तथ्यों पर आधारित गंभीर विश्लेषण।

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 साल... शिखर का 11 तीर्थों के जल से अभिषेक

सोमनाथ की प्राण-प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना को दी एक नई अभिव्यक्ति : पीएम मोदी

हेलिकॉप्टर से हुई फूलों की वर्षा, सूर्यकिरण एयर शो रहा आकर्षण का केंद्र

सोमनाथ, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'दादा सोमनाथ के एक परम भक्त के रूप में मैं यहां कितनी बार आ चुका हूं और उनके चरणों में सिर झुका चुका हूं। लेकिन आज जब मैं यहां पहुंचा तो समय के इस लंबे सफर ने मुझे एक अनोखी अनुभूति दी। ठीक 75 साल पहले इसी दिन सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ था। यह कोई साधारण घटना नहीं थी। 1951 में सोमनाथ की प्राण-प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना को एक नई अभिव्यक्ति दी।

प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के 75 साल पूरे होने के मौके पर बोल रहे थे। इससे पहले वे रोड शो करते हुए सोमनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने शिवाभिषेक किया। इसके बाद रिमोट के जरिए मंदिर का कुंभाभिषेक किया। 11 मई 1951 को स्वतंत्र भारत में नए सिरे से बनाए गए सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इतिहास के इस बड़े घटनाक्रम का उत्सव मनाने के लिए सोमनाथ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।

इसी दिन हुआ पोखरण परीक्षण

पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन एक और वजह से भी विशेष है। 11 मई, 1998 यानी आज के ही दिन देश ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था। देश ने 11 मई को पहले 3 परमाणु परीक्षण किए। हमारे वैज्ञानिकों ने भारत के सामर्थ्य को, भारत की क्षमता को दुनिया के सामने रखा। दुनिया में तूफान आ गया कि भारत कौन होता है, उसकी ये हैसियत, जो परमाणु परीक्षण करे। दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने के लिए मैदान में उतरी, अनेक प्रकार के बंधन लग गए। दुनिया को पता चला था कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है।

सृष्टि उन्हीं से उत्पन्न होती है और उन्हीं में विलीन हो जाती है

पीएम मोदी ने कहा कि आज हम उन महान देवताओं की प्रतिमा स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं, जो अपनी इच्छा से समय को प्रकट करते हैं, जो स्वयं समय से परे हैं और समय के साक्षात स्वरूप हैं-देवों के देव, महादेव। सृष्टि उन्हीं से उत्पन्न होती है और उन्हीं में विलीन हो जाती है। हम आज उनके पावन धाम के पुनर्निर्माण का गौरवशाली उत्सव मना रहे हैं। जिन्होंने हलाहल विष पीकर नीले कंठ का रूप धारण किया, उन्हीं भगवान सदाशिव की शरण में आज सोमनाथ अमृत महोत्सव हो रहा है। यह सब उनकी दिव्य लीला है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने 500 से ज्यादा रियासतों को एकजुट कर आधुनिक भारत का स्वरूप तैयार किया। सोमनाथ के पुनर्निर्माण के जरिए उन्होंने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत सिर्फ राजनीतिक रूप से स्वतंत्र नहीं हुआ है, बल्कि अपनी प्राचीन गौरव-परंपरा को फिर से हासिल करने की राह पर भी आगे बढ़ रहा है।

कूनो में ब्रीडिंग सेंटर बनाने की हो रही तैयारी

जंगल की सैर पर निकले दो मादा चीता, मुख्यमंत्री ने किया रवाना

श्योपुर/भोपाल।, एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज यहां कूनो नेशनल पार्क में दो चीतों को खुले जंगल की सैर के लिए रवाना किया।

बताया गया है कि बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों ने अपनी क्वारंटीन की अवधि पूरी कर ली है, जिसके बाद उन्हें छोटे बाड़े में रखा गया था। अब इनमें से दो चीतों को पूरी तरह खुले जंगल में छोड़ दिया गया। 'प्रोजेक्ट चीता' की सफलता के बाद से यहां चीतों की संख्या 57 तक पहुंच चुकी है। भारत में दशकों बाद चीतों की वापसी ने यह संदेश दिया है कि यदि सही वैज्ञानिक प्रबंधन और राजनीतिक प्रतिबद्धता हो तो विलुप्त प्रजातियों का पुनर्वास संभव है। अब कूनो को ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर के रूप में विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है। इसके साथ ही गांधी सागर वाइल्डलाइफ सेंचुरी को चीतों के दूसरे आवास और नौरादेही वाइल्डलाइफ क्षेत्र को तीसरे बड़े चीता लैंडस्केप के रूप में विकसित किया जा रहा है।

INDIAN PREMIER LEAGUE
पंजाब-दिल्ली, समय : शाम 7.30 बजे

देश के 9 शहरों में पारा 44 डिग्री पार चार धाम यात्रा को लेकर अलर्ट जारी

भोपाल/लखनऊ/जयपुर, एजेंसी

राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जैसे हालात हैं। रविवार को चारों राज्यों के 9 शहरों में पारा 44 डिग्री के पार रहा। राजस्थान का बाड़मेर 46.8 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर में तापमान 46.3डिग्री और फलोदी में 46 डिग्री पहुंच गया। उत्तराखंड के कई हिस्सों, खासकर पहाड़ी इलाकों में 12 और 13 मई को बारिश और खराब मौसम की आशंका है। गढ़वाल कमिश्नर ने इस दौरान चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने और यात्रा से बचने की अपील की है।

मध्य प्रदेश के रतलाम में 45.5 डिग्री तापमान रहा। भोपाल में 40.4 डिग्री तापमान में 42डिग्री जैसी झुलसाने वाली गर्मी महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार 11 और 12 मई को तापमान 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ेगा। भोपाल में पारा 42 से 43 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं। इधर, गुजरात के राजकोट में 44.3 डिग्री और अमरेली में 44.1 डिग्री तापमान के कारण हीटवेव चली।

सुवेंदु के पीए हत्याकांड में तीन संदिग्ध पकड़ाए

कोलकाता/पटना, एजेंसी

बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या के 5 दिन बाद बिहार के बक्सर और यूपी के बलिया से 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स तीनों को अपने साथ कोलकाता लेकर गई है। पुलिस ने बिहार के बक्सर में रविवार रात अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान मयंक मिश्रा और विक्की मौर्य को हिरासत में लिया गया। बक्सर डीसीपी ने जांच की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए कुछ भी बोलने से इनकार किया है।

नहीं बदला एनरिच्ड यूरेनियम पर ईरान का रुख

ट्रम्प ने जंग रोकने के लिए ईरान का प्रस्ताव ठुकराया, तेल की कीमतों में फिर उछाल

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकर नहीं किया सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु

कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60 फीसदी एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा। नए घटनाक्रम के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 104 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया।

न्यूज विंडो

हिमाचल के चंबा में कार खाई में गिरी, छह की मौत, चार घायल

बनीखेत/चंबा। हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में भटियात के ककीरा में आज सुबह तीन बजे के करीब पर्यटकों से भरी एक गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में छह लोगों की मौत हुई है जबकि चार घायल हैं। दुर्घटनाग्रस्त इनोवा क्रिस्टा गाड़ी में गुजरात के टूरिस्ट सवार थे। ये लोग मनाली से डलहौजी घूमने जा रहे थे। हादसे के वक्त क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी। गाड़ी में ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर किया गया है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर पति के निधन के बाद जीवन में खालीपन आया तो उसे किताबों से भरने का फैसला किया

दिन में घर का काम, रात में स्कूल... 68 साल की दादी अब 12 वीं पास

मुंबई, एजेंसी

मन में कुछ कर गुजरने की चाह हो तो उम्र सिर्फ आंकड़ा बनकर रह जाती है। मुंबई के विक्रोली की रहने वाली 68 साल की मंगला पोपट ठोके ने इस बात को सच कर दिखाया है। जिसे लोग रिटायरमेंट की उम्र मानते हैं, उसमें मंगला जी ने अपनी कलम उठाई और महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा न केवल दी, बल्कि 60 फ़ीसदी अंकों के साथ कामयाबी भी हासिल की। क्लास में उनके साथ पढ़ने वाले 17-18 साल के बच्चे उन्हें प्यार से आजी या आई कहते थे।

मंगला जी का सफर इतना आसान नहीं था। दशकों पहले गरीबी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते उनकी पढ़ाई छूट गई थी। शादी, 5 बेटियों की परवरिश और फिर 7 नाती-पोतों की देखभाल में

वक्त पंख लगाकर उड़ गया। लेकिन उनके मन के किसी कोने में पढ़ाई पूरी करने की कसक हमेशा बाकी थी। पति के निधन के बाद जब जीवन में खालीपन आया तो उन्होंने उसे किताबों से भरने का फैसला किया। 68 साल की उम्र आमतौर पर दादी वाली उम्र मानी जाती है। इस समय तक लोग अपनी जिम्मेदारियां पूरी कर आराम की जिंदगी जीने की कोशिश करते हैं। लेकिन मंगला पोपट ठोके ने इसी उम्र में अपनी सारी एनर्जी लगाकर बोर्ड परीक्षा की तैयारी की और उसमें सफल भी हो गईं। मंगला पोपट ठोके का बचपन तंगहाली में बीता। उनके पिता दर्जी के यहां काम करते थे। सामाजिक और आर्थिक मजबूरियों के कारण उन्हें बहुत कम उम्र में स्कूल छोड़ना पड़ा। इसके बाद शादी और फिर बच्चों की परवरिश में वह इतनी व्यस्त हो गईं कि खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिला। मंगला जी कहती हैं कि पढ़ाई करने का विचार उनके दिमाग में हमेशा बना रहा। यह एक अधूरा सपना था जिसे उन्हें जीना था। 2023 में उन्होंने विक्रोली के शारदा नाइट स्कूल और जूनियर कॉलेज में दाखिला लिया। उनकी दिनचर्या किसी तपस्या से कम नहीं थी। वह सुबह जल्दी उठकर घर का सारा काम निपटातीं, खाना बनातीं और फिर दोपहर में पढ़ाई के लिए समय निकालतीं। शाम 6.30 बजे से रात 9.30 बजे तक वह स्कूल में क्लास अटेंड करतीं और फिर देर रात तक रिवीजन करती थीं।

नाती-पोतों की उम्र के बच्चे बने दोस्त

क्लास में मंगला जी सबसे उम्रदराज छात्रा थीं। लेकिन उन्होंने इसे कभी बाधा नहीं बनने दिया। युवा स्टूडेंट्स उन्हें 'आजी' कहकर बुलाते थे, जब उन्हें कोई कठिन कॉन्सेप्ट समझ नहीं आता तो वही बच्चे उनकी मदद करते। बदले में मंगला जी अपने जीवन के अनुभवों से उन्हें सही रास्ता दिखातीं। उनके शिक्षकों ने भी उन्हें हमेशा मोटिवेट किया और एक ही मंत्र दिया- चाहे कुछ भी हो जाए, अपना पेपर पूरा जरूर करना। मंगला जी ने अपनी सफलता के पीछे एक लाइफ फिलॉसफी बताई है। वह मानती हैं कि शिक्षा का तरीका भले ही बदल गया हो, लेकिन सीखने की इच्छाशक्ति आज भी वही है। वह कहती हैं, सब कुछ इंसान की इच्छा पर निर्भर करता है। अंत में हमारे पास केवल दो ही चीजें बची होती हैं- प्रयत्न और परमेश्वर.. इसका सीधा मतलब है कि वो मेहनत करने से कभी पीछे नहीं हटीं।

राजधानी में स्वच्छता मिशन पर सियासी ब्रेक

शहर के 85 वार्डों में बनने हैं 160 शौचालय लेकिन जगह को लेकर छिड़ा संग्राम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छता सुविधाएं बढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा शहर के 85 वार्डों में 160 सार्वजनिक शौचालय बनाए जाने हैं, लेकिन निगम प्रशासन के लिए इन शौचालयों के लिए जगह निर्धारित करना चुनौती बन गया है। कई स्थानों पर स्थानीय नेताओं और रहवासियों की आपत्तियों के चलते निर्माण कार्य अटक गया है। यही वजह है कि अभी तक 70 स्थानों पर ही निर्माण शुरू हो सका है।

दरअसल, नगर निगम को केंद्र सरकार से अमृत 2.0 परियोजना के तहत 160 सार्वजनिक शौचालय बनाने के लिए राशि जारी की गई है। एक शौचालय के निर्माण पर लगभग चार लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। शहर के सभी 85 वार्डों में ऐसे स्थान चिह्नित किए जा रहे हैं, जहां सार्वजनिक शौचालयों की जरूरत अधिक है। निगम के अधिकारियों के मुताबिक, एक शौचालय को 160 वर्ग फीट में तैयार करना है। 160 में से अभी तक 106 शौचालयों के लिए ही जगह चिह्नित की जा सकी है। हालांकि इनमें से भी अभी तक करीब 70 स्थानों पर ही निर्माण कार्य शुरू हो पाया है। वहीं, 30 से अधिक शौचालय

फाइल फोटो

रहवासियों के विरोध और नेताओं की आपत्ति के चलते अधर में लटके हुए हैं।रहवासी भी कर रहे हैं विरोधवहीं, कई इलाकों में स्ट्रक्चर खड़े करने के बाद भी विरोध शुरू हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर सफाई और मेंटनेंस नहीं हुआ तो आसपास गंदगी और दुर्गंध फैलने लगेगी। शहर में पहले से संचालित कई सुलभ और सार्वजनिक शौचालय निजी केयरटेकर एजेंसियों के जरिए संचालित हो रहे हैं, लेकिन नए बनने वाले शौचालयों की देखरेख को लेकर स्पष्ट व्यवस्था सामने नहीं आई है।

शौचालयों निर्माण के लिए जगह को लेकर हो रहा विवाद

शौचालयों के निर्माण के लिए जगह को लेकर विवाद की स्थिति भी बनने लगी है। कई मामलों में जमीन के स्वामित्व और उपयोग को लेकर आपत्तियां न्यायालय तक पहुंच गई हैं। अब तक चार मामले न्यायालय में पहुंच चुके हैं। विवाद से बचने के लिए निगम पहले चयनित स्थानों पर प्रारंभिक खुदाई करवा रहा है और आपत्ति नहीं आने पर आगे का निर्माण शुरू किया जा रहा है। वहीं, ऐशबाग क्षेत्र में बाग उमराव दूल्हा क्षेत्र में बनाए जा रहे एक शौचालय के लिए जाने वाले रास्ते पर रेलवे ने दीवार खड़ी कर दी है। अब इस जगह को लेकर निगम प्रशासन ने रेलवे को पत्र लिखा है। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री आरआर जारोलिया ने बताया कि शहर में यूरिनल निर्माण के लिए 106 जगह चिह्नित की गईं थीं। इनमें से करीब 70 जगह निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं, अन्य जगह भी जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे।

गैस सिलेंडर घोटाला मामला

पूर्व अफसर की एजेंसी पर एफआईआर नहीं! 5 लाख जुर्माना लेकर बहाल किया कारोबार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में घरेलू और व्यावसायिक सिलेंडरों की किल्लत शुरू हो गई थी। इस वजह से गैस गोदाम व एजेंसियों पर बड़ी संख्या में उपभोक्ता सिलेंडर लेने पहुंच रहे थे, लेकिन लोगों को बुकिंग के बाद भी सिलेंडर आपूर्ति नहीं की जा रही थी।

इसी बीच एजेंसी संचालकों ने कर्मचारियों के साथ मिलकर जमकर सिलेंडरों की हेराफेरी की थी, जिसकी शिकायतें मिलने पर खाद्य विभाग की टीमों ने छापामार कार्रवाई करते हुए गड़बड़ियां पकड़ी थीं। इसके बाद तीन एजेंसी संचालकों सहित करीब पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई और कुछ एजेंसी संचालकों व अवैध रिफिलिंग सेंटर संचालकों पर जुर्माने की कार्रवाई की गई। इसके बाद उन्होंने जुर्माना भरकर कारोबार के लिए एजेंसियों को बहाल करवा लिया और सिलेंडर तक वापस ले लिए। जबकि एक एजेंसी संचालक का मामला एडीएम कोर्ट में विचाराधीन है, जहां उसके जवाब का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन अब तक एफआइआर दर्ज नहीं की गई है।

जानकारी के अनुसार भोपाल में करीब पांच लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलिंडर उपभोक्ता हैं, जिन्हें करीब 40 गैस एजेंसियों व गोदामों से आपूर्ति की जाती है। इन्हीं एजेंसियों में पूर्व सहायक आपूर्ति अधिकारी बीपी शर्मा की जेके रोड स्थित फिनिक्स एचपी गैस एजेंसी भी शामिल है। इस एजेंसी पर उपभोक्ताओं के सिलिंडर अन्य लोगों को दिए जाने की शिकायत मिलने के बाद खाद्य विभाग की टीम ने जांच की थी। इसमें 350 व्यावसायिक व 350 घरेलू सिलिंडरों का रिकॉर्ड नहीं मिला था और करीब दो हजार छोटे सिलिंडरों का भी कुछ पता नहीं चला था। इसका प्रकरण बनाकर एडीएम न्यायालय में पेश कर दिया गया था, जहां अब भी सुनवाई चल रही है। इसी बीच एचपीसीएल कंपनी ने संचालक पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, जिसे जमा कर एजेंसी को बहाल करवा लिया गया। जबकि वह एडीएम न्यायालय से जारी नोटिस का जवाब अब तक पेश नहीं कर सके हैं।

अन्य मामलों में तत्काल एफआईआर, फिनिक्स पर देरी

खाद्य विभाग के सूत्रों के अनुसार अब तक हुई कार्रवाई के दौरान राय, सिद्धार्थ, कोलार गैस एजेंसी संचालकों व अन्य लोगों सहित करीब पांच से छह प्रकरण बनाकर थानों में एफआईआर करवाई गई है जबकि फिनिक्स मामले में जुर्माना लगाया गया, जमा हो गया और एडीएम कोर्ट में सुनवाई चल रही है, लेकिन गड़बड़ी उजागर होने के बाद भी एफआईआर करने में समय लग रहा है। बताया जा रहा है कि संचालक पूर्व अधिकारी होने के कारण वर्तमान अमला कार्रवाई करने से बच रहा है।

जेके रोड स्थित फिनिक्स एचपी गैस एजेंसी पर हुई सिलिंडरों की गड़बड़ी मामले में सुनवाई चल रही है। संचालक को नोटिस जारी किए गए हैं, उनके द्वारा जवाब पेश नहीं किया गया है। जल्द ही मामले में सुनवाई कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- प्रकाश नायक, अपर कलेक्टर

बड़े तालाब में मिला लापता नव विवाहिता का शव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बड़े तालाब के भीतर एक नव विवाहिता की लाश मिली है। मामले की जांच करने श्यामला हिल्स थाना पुलिस पहुंची थी। उसकी दो साल पहले ही शादी हुई थी। उसके बाद वह ससुराल वापस नहीं लौटी थी। दो दिन पहले ही उसने पति को फोन करके ससुराल ले जाने के लिए बुलाया था। लेकिन, वह इसके बाद अचानक गायब हो गई थी। पुलिस के अनुसार तालाब में सफाई के दौरान शव नगर निगम के कर्मचारियों ने देखा था। जिसके बाद श्यामला हिल्स थाना पुलिस को सूचना दी गई थी। हुलिए और उसके पास मिले मोबाइल नंबर के जरिए गोविंदपुरा थाना पुलिस को सूचना दी गई थी। शव की पहचान सोनिका ठाकुर पति रुपेश ठाकुर उम्र 28 साल के रुप में हुई। वह गौतम नगर में रहती थी।

एम्स भोपाल ने की पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल में 4 से 10 मई 2026 तक मनाए जा रहे फायर सेफ्टी वीक के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'कोड रेडः हर पल कीमती है' रखा गया, जिसमें आग जैसी आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया और सतर्कता के महत्व को रेखांकित किया गया। प्रतियोगिता में एमबीबीएस विद्यार्थियों, नर्सिंग छात्रों, तकनीकी कर्मचारियों, प्रशासनिक कर्मियों तथा फायर सेफ्टी टीम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतिभागियों ने अपने पोस्टरों के माध्यम से अग्नि सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, अस्पतालों में आपातकालीन निकासी प्रक्रिया और सुरक्षा उपायों से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में बनाए गए पोस्टरों में रचनात्मकता के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी व्यवहारिक जानकारियों को भी प्रभावी ढंग से दर्शाया गया।प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. डॉ. सुनीता अठावले एवं प्रो. डॉ. रश्मि चौधरी द्वारा किया गया। आयोजन में हॉस्पिटल सेफ्टी कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एम्स प्रबंधन ने बताया कि फायर सेफ्टी वीक के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों, विद्यार्थियों और मरीजों को सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

शाहजहानाबाद से शहीद नगर तक सड़क बदहाल, लोग हो रहे परेशान

भोपाल। भोपाल के शाहजहानाबाद क्षेत्र में पुरानी अदालत के सामने और शहीद नगर रोड की सड़कों की हालत लगातार खराब होती जा रही है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी सड़कें और जलभराव जैसी समस्याओं के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद नगर निगम द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। बारिश से पहले ही सड़कें टूटकर बदहाल हो चुकी हैं। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से हादसों का खतरा बढ़ गया है। दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों का कहना है कि खराब सड़क के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है और वाहन धीरे-धीरे निकालने पड़ते हैं। जर्जर हालत से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सोमनाथ की गाथा देख भावुक हुए लोग

पटेल के योगदान को किया याद

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सनातन धर्म सेवा समिति एवं सिंधु सेना के संयुक्त तत्वावधान में रविवार शाम तालिब धाम, सिंधी कम्युनिटी हॉल, ईदगाह हिल्स में श्री सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित फिल्म श्री सोमनाथ की गाथा का बड़ी स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति, युवाओं व लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो के उद्घोष के साथ हुआ। केतन मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म में सोमनाथ मंदिर पर हुए 17 आक्रमणों एवं सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा कराए गए मंदिर के पुनर्निर्माण को विस्तार से दर्शाया गया। फिल्म देखकर उपस्थित जनसमूह भावुक हो गया। कई दर्शकों की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर धर्म गुरु अनिलानंद जी ने बताया कि यह फिल्म नहीं, भारत की आत्मा है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि हम मिटने वाली कौम नहीं हैं। सरदार पटेल ने जो संकल्प लिया, वही आज राम मंदिर, काशी विश्वनाथ के रूप में पूरा हो रहा है। सिंधु सेना के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कि नई पीढ़ी को अपना इतिहास पता होना चाहिए। एक छोटा प्रयास अपने इतिहास को पहचानने का सफल रहा।

अंत में कार्यक्रम आयोजक अनिल थारवानी ने लोगों के साथ खड़े होकर हर-हर महादेव एवं भारत माता की जय के नारे लगाए तथा सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने का संकल्प लिया।

तीन लोगों ने की आत्महत्या

भोपाल। बीते चौबीस घंटों के दौरान अलग-अलग तीन स्थानों पर फांसी के फंदे पर लटके हुए तीन व्यक्तियों के शव मिले हैं। अशोका गार्डन थाना पुलिस के अनुसार अभिषेक मालवीय ने फांसी लगा ली। यहां वह किराए के मकान पर कोलुआ कलां गांव में रहता था। अभिषेक की पत्नी तीन दिन पहले मायके चली गई थी। उसके बाद से वह तनाव में दिख रहा था। इसी तरह आदर्श नगर बस्ती में राजकुमार आठिया का शव फांसी बल्ली पर बने फंदे से रविवार सुबह लटका मिला। इधर, अर्जुन नगर में बृजेश चौहान पिता राजेश चौहान का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। मामले की जांच एएसआई राजकुमार दुबे कर रहे हैं। पुलिस को प्राथमिक जांच में पता चला है कि बृजेश चौहान 2019 में हुई एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रुप से जख्मी हो गए थे। जिसके बाद उनका बायां हाथ अच्छे से काम नहीं करता था। इस बात को लेकर वह परेशान रहते थे।

शाहपुरा तालाब को प्रदूषण से बचाने नई तकनीक का इस्तेमाल

बिना सड़क खोदे 370 मीटर सीवेज लाइन बिछाई... 30 साल पुराने 23 पेड़ भी बचे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में पहली बार बिना सड़क खोदे अंडरग्राउंड ड्रिलिंग तकनीक से 370 मीटर लंबी सीवेज लाइन बिछाई गई। खास बात यह रही कि पूरा काम 25 दिन में पूरा हो गया। न सड़क खोदनी पड़ी, न ट्रैफिक जाम लगा और न ही 30 साल से ज्यादा पुराने 23 पेड़ों को काटना पड़ा। नगर निगम ने प्रशासन अकादमी से बिल्डिंग परमिशन शाखा तक यह लाइन इन्क्लाइंड ड्रिलिंग तकनीक से डाली है।

पुरानी सीवेज लाइन कोटरा और हर्षवर्धन नगर से होकर होटल मैनेजमेंट संस्थान और 1100 क्वार्टर के पास 50 साल पुराने पंप हाउस तक जाती है। लाइन जर्जर होने से सीवेज का पानी रिसकर शाहपुरा तालाब को प्रदूषित कर रहा था। नई लाइन डालना जरूरी था, लेकिन रास्ते में झील का पानी, पुलिया, केबल और 23 बड़े पेड़ बाधा बने हुए थे। सामान्य खुदाई होती तो सड़क तोड़ने के साथ सभी पेड़ काटने पड़ते।

निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने बताया कि यह चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट था। झील और पेड़ों के कारण सामान्य खुदाई संभव नहीं थी। आगे भी घनी आबादी और पर्यावरण संरक्षण वाले इलाकों में इसी तकनीक को प्राथमिकता देंगे। प्रभारी कार्यपालन यंत्री आरके त्रिवेदी ने बताया कि मशीन के आगे सेंसर होते हैं। ये जमीन के भीतर की गहराई और सामने आने वाली बाधाओं की जानकारी देते हैं। मशीन को ऊपर से रिमोट से ऑपरेट किया जाता है। इससे सड़क खोदने की जरूरत नहीं पड़ती। बिजली-पानी की लाइनें भी सुरक्षित रहती हैं। सामान्य खुदाई के मुकाबले यह तकनीक तीन गुना महंगी है। 370 मीटर लाइन डालने में करीब 5.5 लाख रुपए खर्च हुए। अधिकारियों के मुताबिक सामान्य खुदाई में खर्च कम आता, लेकिन सड़क दोबारा बनानी पड़ती। ट्रैफिक प्रभावित होता। 23 पेड़ काटने पड़ते। ऐसे में कुल खर्च लगभग बराबर ही पड़ता। निगम अब माता मंदिर और चार इमली जैसे घने इलाकों में भी इसी तकनीक से सीवेज लाइन डालेगा।

तीन करोड़ से अरहेड़ी में बनेगी सड़क

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने एक दर्जन से अधिक गांवों का दौरा किया। इस दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा ने अरहेड़ी में लगभग 3 करोड़ की लागत से बनने वाले सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह सड़क लोक निर्माण विभाग द्वारा बनायी जाएगी। बहुप्रतीक्षित इस सड़क निर्माण से इस पूरे क्षेत्र में बड़ी राहत मिलेगी।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि हुजूर विधानसभा के गांव गांव तक शहर जैसा विकास पहुंचाना मेरा संकल्प है। इसलिए गांवो में पक्की और मजबूत सड़कों का निर्माण जल जीवन मिशन से पेय जल का नेटवर्क बिछाया जा रहा है। हर घर को नल से जल के साथ साथ सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रामोदय से भारत उदय के संकल्प को हम सभी को मिलकर पूरा करना है। मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के नेतृत्व में विकास और कल्याण के कार्य बहुत तेजी से किए जा रहे है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने सुखी सेवनिया में लगभग 3 करोड़ की लागत से बनने वाले नवीन स्कूल भवन के निर्माण हेतु स्थल निरीक्षण किया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा की स्कूल भवन के साथ साथ खेल मैदान का भी निर्माण किया जाए । श्री शर्मा ने ग्राम बागरोदा में अटल बिहारी वाजपेयी व्यवसायिक परिसर के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। हुजूर विधानसभा की ग्राम पंचायतो को आर्थिक एवं रोजगार संपन्न बनाने के उद्देश्य से व्यवसायिक परिसरों का निर्माण कराया जा रहा है। यह व्यावसायिक परिसर पंचायतों में विकास एवं आर्थिक संपन्न बनायेंगे। वार्ड 85 के ग्राम रापड़िया में 25 लाख की लागत से बनने वाले संजीवनी क्लिनिक के निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया।

मेट्रो एंकर — जनजातीय संग्रहालय में सजी 'संभावना' की सांस्कृतिक छटा

भक्ति गायन और निमाड़ी लोकगीतों ने बांधा समां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन और वादन पर आधारित साप्ताहिक गतिविधि 'संभावना' का आयोजन किया गया, जिसमें लोक संस्कृति और जनजातीय परंपराओं की विविध झलक देखने को मिली। 10 मई 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में सिवनी, ग्वालियर, शाजापुर और खंडवा से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत राम भावसार एवं साथी (शाजापुर) के भक्ति गायन से हुई। उन्होंने गणेश वंदना 'सखी प्रथम मनाऊं गणधीश ने जी' सहित कई भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इसके बाद 'आओ जगदंबे म्हारियां', 'जल जमना रो पानी' और 'बंसी बजी रे कान्हा' जैसे भजनों ने वातावरण को

भक्तिमय बना दिया। इसके बाद दिपाशा यादव एवं साथी (खंडवा) ने निमाड़ी लोकगीतों की प्रस्तुति दी। 'गौरी गणेश ख मना वां गा', 'थारो निर्मल पानी नर्मदा महारानी', 'बन्ना जी तुम बंबई जाजोजी' और 'नरबदा हो थारो बनी गयो बांध' जैसे गीतों ने लोक संस्कृति की गहराई को दर्शाया। जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाली 'संभावना' गतिविधि में मध्यप्रदेश के पांच लोकांचलों और सात प्रमुख जनजातियों की कला परंपराओं के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखने को मिलती हैं। यह मंच लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के साथ-साथ आमजन को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य कर रहा है। संतकुमार यहके एवं साथी (सिवनी) द्वारा प्रस्तुत गोण्ड जनजातीय गेड़ी नृत्य कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। इस नृत्य परंपरा में मुरिया जनजाति की धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था की झलक देखने को मिली। ककसार पर्व, लिंगोदेव की मान्यता और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ किए जाने वाले नृत्य की जानकारी ने दर्शकों को जनजातीय जीवन से परिचित कराया।

भारत सरकार | सोमनाथ अनंत ऊर्जा का अनुभव

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

सोमनाथ

विरासत के 75 साल

सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।
75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।

इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026

“सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि
सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।”
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)

सोमनाथ की दिव्यता एवं भव्यता में दें योगदान और बनें
गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।

D-11020/26 मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

महासत्ता की दस्तक

हिंद महासागर के शांत आसमान को चीरती हुई ओडिशा तट से उठी वह अग्नि-रेखा केवल एक मिसाइल परीक्षण नहीं थी, बल्कि बदलते भारत की सामरिक चेतना की उद्घोषणा थी। दुनिया की महाशक्तियों के बीच खड़े होकर भारत ने मानो यह संकेत दिया है कि अब उसकी रक्षा नीति केवल सीमाओं की चौकसी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में भी उसकी निर्णायक भूमिका होगी। डीआरडीओ द्वारा किए गए अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण ने रणनीतिक गलियारों में नई हलचल पैदा कर दी है। भले ही इसे आधिकारिक तौर पर अग्नि-6 नहीं कहा गया हो, लेकिन इसकी गूंज वॉशिंगटन से लेकर बीजिंग तक साफ सुनाई दे रही है। अब तक आईसीबीएम तकनीक दुनिया के कुछ चुनिंदा देशों के हाथों में ही सीमित रही है। अमेरिका, रूस, चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों ने इसे अपनी सामरिक शक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक बनाया। ऐसी स्थिति में यदि भारत 10 हजार किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाली मिसाइल तकनीक हासिल करने की दहलीज पर खड़ा है, तो यह केवल सैन्य उपलब्धि नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति में भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का भी संकेत है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने कभी सुरक्षा उपकरणों के लिए दुनिया की ओर देखा था और आज स्वयं तकनीकी शक्ति का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है। डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत का हालिया बयान इस आत्मविश्वास की पुष्टि करता है। उनका यह कहना कि 'सरकार अनुमति दे तो हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं' दरअसल भारत की वैज्ञानिक तैयारी और रणनीतिक इच्छाशक्ति दोनों का परिचायक है। यह नया भारत है, जो युद्ध नहीं चाहता लेकिन अपनी सुरक्षा को किसी भी परिस्थिति में कमजोर भी नहीं पड़ने देना चाहता। दरअसल, किसी भी राष्ट्र की शांति तभी सुरक्षित रहती है जब उसकी प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। इतिहास गवाह है कि कमजोर देशों की सीमाओं पर हमेशा संकट मंडराता रहा है। भारत शायद इसी ऐतिहासिक सच्चाई को समझते हुए अपनी रक्षा क्षमता को नए आयाम देने में जुटा है। लेकिन सामरिक शक्ति के इस विस्तार के साथ एक गंभीर जिम्मेदारी भी जुड़ी है। हथियारों की यह दौड़ यदि संतुलन खो दे तो दुनिया अस्थिरता की ओर बढ़ सकती है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने शक्ति को हमेशा संयम के साथ साधा है।

जीवन की सार्थकता उसकी लंबाई में नहीं मर्यादा और गहराई में निहित

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष

अमर रहने की महत्वाकांक्षा पुरानी है। पुराणों में हजारों वर्ष जीने वाले पात्रों के उल्लेख हैं। वैदिक ऋषि अमृत्व प्राप्त करने की स्तुतियां करते थे। 'असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मा अमृतं गमय।' -में अमृत्व की प्यास का उल्लेख है। आधुनिक विश्व में सभी देशों के वैज्ञानिक मनुष्य शरीर की उम्र को रोकने की योजना पर काम कर रहे हैं। वृद्धावस्था में शरीर की कोशिकाओं का क्षरण होता है। इसी को रोकने के लिए तमाम शोध कार्य जारी हैं। इस बीच रूस से महत्वाकांक्षी सूचनाएं आ रही हैं। रूस मनुष्य शरीर की कोशिकाओं के क्षरण को रोकने पर शोध कर रहा है। सूचना के अनुसार रूस वृद्धावस्था को रोकने की शोध पर काम कर रहा है। सितंबर 2025 में पुतिन और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने मनुष्य शरीर की उम्र 150 साल तक ले जाने की योजना पर शोध की बातें की थीं। पुतिन ने कहा था कि नियमित रूप से कोशिकाओं के क्षरण को रोक कर स्वस्थ बने रहने पर वैज्ञानिक शोध संभव हैं। रूसी वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि वे वृद्धावस्था रोकने की विश्व की पहली एंटी एजिंग वैक्सीन पर काम कर रहे हैं। वृद्धावस्था कोशिकाओं के क्षरण का ही परिणाम होता है। रूस के एक मंत्री डेनिस ने पीछे माह बताया है कि यह प्रायोजित उपचार रेज रिसेप्टर पर जोर देगा। वृद्धावस्था की स्वाभाविक प्रक्रिया को नियंत्रित कर कोशिकाओं को लंबे समय तक युवा बनाए रखा जा सकता है। उनका कहना है कि उनका लक्ष्य दुनिया की पहली जीन थेरेपी दवा बनाना है। इस परियोजना को इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग बायोलॉजी एंड मेडिसिन द्वारा विकसित किया जा रहा है।

रूस के उप प्रधानमंत्री ने कहा था कि रूस की योजना 2028 से 2030 के बीच एंटी एजिंग दवा का उत्पादन शुरु करने का है। बताया गया है कि तकनीक फिलहाल शोध की प्रक्रिया से गुजर रही है। इसका बजट 26 अरब डालर से भी ज्यादा है। उनका दावा है कि फिलहाल इस पर शोध जारी है। अगर यह सफल होता है तो भविष्य में वृद्धावस्था अनिवार्य प्रक्रिया नहीं रहेगी। यह नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बन सकती है। यह एक आश्चर्यजनक शोध की दिशा में मनुष्य जाति का पहला नियोजित अभियान होगा। मनुष्य की आयु 150 वर्ष तक ले जाने की यह महत्वाकांक्षी योजना आश्चर्यजनक है। दीर्घायु रहना-होना सामान्य बात है लेकिन पूरी आयु में स्वस्थ बने रहना वाकई बड़ी उपलब्धि होगी। ऋग्वेद में 'जीवेत शरदः शतम्' की प्रार्थनाएं हैं। सौ साल जीने की इच्छा पर्याप्त नहीं है। इसलिए आगे कहते हैं कि हम 100 वर्ष तक स्वस्थ रहें। दीन-हीन न रहें। बहुत लोग 100 बरस या उससे ज्यादा का जीवन जीते हैं। लेकिन शरीर के क्षरण के कारण कष्ट और दुख में रहते हैं। तो क्या यह शोध मनुष्य के सभी अंगों और सोच विचार के तंत्र को स्वस्थ रखने का महत्वाकांक्षी अभियान बनेगा। इस शोध को लेकर बहुत प्रसन्न होने की आवश्यकता नहीं है। 80-90 वर्ष की आयु वाले वृद्ध परिवार की उपेक्षा के कष्ट भोगते हैं। परिजन बूढ़ों का ध्यान नहीं रखते।

इस शोध की सफलता-असफलता पर तमाम विचार हो सकते हैं। यह एक सांस्कृतिक समस्या है। दुनिया के सभी समाजों में अच्छे मानवीय संबंधों का आधार संस्कृति है। यहां जीवन को लंबा करने के प्रयास हैं। लेकिन दर्शन और विज्ञान काल की व्याख्या भी करता है। काल का पहिया घूम रहा है। हम सब काल रथ पर बैठे यात्री हैं। अथर्ववेद में भृगु ऋषि का सारवान वक्तव्य है- 'कालरथ पर ज्ञानी ही बैठते हैं।' मैं कालरथ को देख रहा हूँ। उस रथ का घर्घर नाद भी सुनता हूँ। वह प्रतिपल हमारे सामने से ही गुजरता है। मैं हाथ उठाता हूँ। रुकने की प्रार्थना करता हूँ। वह नहीं रुकता। मेरी परवाह नहीं करता। जानता हूँ कालरथ में ज्ञानी ही बैठते हैं। हमारे लिए उस रथ में जगह नहीं हो सकती। क्या विज्ञान में काल की समस्या का कोई समाधान है? काल निर्वचन कठिन काम है।

हमारे ग्रंथों में ऋषियों की आयु 100 वर्ष बताई गई है किंतु उनका मार्ग 'बाहरी रसायनों' का नहीं बल्कि 'भीतरी रूपांतरण' का था। प्राणायाम की विधियाँ शरीर की जैविक घड़ी को नियंत्रित करने की प्राचीन तकनीकें थीं। वैज्ञानिक शोध अब मान रहे हैं कि गहरी और लंबी सांसें हमारे जीवन-सूत्रों की रक्षा करती हैं। ऋषियों ने बिना किसी भारी-भरकम वित्तीय सहायता के, केवल अंतर्मुखी होकर उस 'अमृत तत्व' को खोज लिया था। प्राचीन भारत में 'कायाकल्प' की प्रक्रिया का वर्णन मिलता है, जहाँ विशेष जड़ी-बूटियों से वृद्ध शरीर को पुनः युवा किया जाता था। रूस का प्रयोग जहाँ अवरोधकों पर काम करता है, वहीं भारतीय पद्धति पंच तत्वों के संतुलन पर बल देती थी। यदि आधुनिक जीव-विज्ञान के साथ योग को जोड़ दिया जाए तो दीर्घायु एक पूर्ण स्वास्थ्य का मार्ग बन सकती है। लंबी आयु का अर्थ अनुभवों का विशाल भंडार भी है। यदि कोई मनीषी एक सौ पचास वर्ष जीता है तो वह शोध को नई ऊँचाई दे सकता है। लेकिन क्या मानव मस्तिष्क एक शताब्दी से अधिक की स्मृतियों का बोझ सहने के लिए तैयार है? क्या हम विस्मृति जैसे विकारों के बिना इस दीर्घायु का आनंद ले पाएंगे? अक्सर पुरानी पीढ़ी नए विचारों का विरोध करती है। ऐसे में समाज का बौद्धिक जड़त्व बढ़ सकता है। पारिवारिक रिश्तों की मर्यादा भी इससे अछूती नहीं रहेगी। वैवाहिक संबंधों के स्थायित्व पर नए प्रश्न खड़े होंगे।

यह प्रयोग वैज्ञानिक जिज्ञासा की पराकाष्ठा है, किंतु इसे विवेक की कसौटी पर कसना अनिवार्य है। केवल आयु का बढ़ना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसकी गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। जैसा कि हमारा दर्शन मानता है, 'जीवेम शरदः शतम' का अर्थ केवल सौ वर्ष जीना नहीं बल्कि सौ वर्ष तक चैतन्य रहकर योगदान देना है। रूस का यह शोध यदि मनुष्य को केवल एक अमर 'उपभोक्ता' बनाता है, तो यह प्रकृति के विरुद्ध अपराध होगा। लेकिन यदि यह वृद्धों को पीड़ा से मुक्त कर उन्हें पुनः सृजनशील बनाता है तो यह विज्ञान का उपहार होगा। जीवन की सार्थकता उसकी लंबाई में नहीं, बल्कि उसकी गहराई और मर्यादा में निहित है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

तमिलनाडुः हिंदू बहुसंख्यक राज्य में भी द्रविड़ राजनीति क्यों पड़ती है भारी?

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

भारत की राजनीति को अक्सर सरल समीकरण में समझने की कोशिश की जाती है- जहाँ हिंदू आबादी अधिक होगी, वहाँ भारतीय जनता पार्टी स्वतः मजबूत होगी। लेकिन तमिलनाडु इस धारणा को चुनौती देता है। तमिलनाडु में हिंदू आबादी लगभग 85 प्रतिशत से अधिक है। राज्य मंदिरों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, फिर भी भाजपा यहाँ अब तक वैसी राजनीतिक सफलता हासिल नहीं कर पाई जो उसे उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में मिली। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों है? क्या तमिलनाडु की राजनीति धर्म से अलग किसी और आधार पर चलती है? या भाजपा राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को अब तक पूरी तरह समझ नहीं पाई?

तमिलनाडु को समझने के लिए सबसे पहले उसके राजनीतिक इतिहास को समझना जरूरी है। यह राज्य केवल चुनावी राजनीति से नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक आंदोलन से प्रभावित रहा है। बीसवीं सदी में ई. वी. रामासामी यानी पेरियार के नेतृत्व में द्रविड़ आंदोलन शुरू हुआ। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत ऊँच-नीच और उत्तर भारतीय प्रभुत्व का विरोध था। पेरियार ने तर्कवाद, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता को राजनीति का केंद्र बनाया। बाद में इसी विचारधारा से डीएमके और एआईएडीएमके जैसी शक्तिशाली पार्टियाँ उभरीं।

यही वह बिंदु है जहाँ तमिलनाडु की राजनीति बाकी भारत से अलग हो जाती है। उत्तर भारत में जहाँ धार्मिक पहचान अक्सर चुनावी राजनीति का बड़ा आधार बनती है, वहीं तमिलनाडु में 'तमिल पहचान' अधिक महत्वपूर्ण रही। यहाँ भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय गर्व को राजनीति के केंद्र में रखा गया। लोगों के भीतर यह भावना गहरी रही कि दिल्ली की राजनीति तमिल समाज की विशिष्टता को पूरी तरह नहीं समझती। भाजपा को कई बार इसी कारण उत्तर भारतीय पार्टी के रूप में देखा गया। तमिलनाडु में हिंदी विरोध का इतिहास भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना। 1960 के दशक में जब हिंदी को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की कोशिश हुई, तब तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए। लोगों को लगा कि उनकी भाषा और संस्कृति पर खतरा है। यही आंदोलन द्रविड़ दलों को मजबूत बनाने का कारण बना। आज भी तमिल पहचान और भाषा का मुद्दा यहाँ बेहद संवेदनशील है। भाजपा भले हिंदी थोपने से इनकार करे लेकिन उसके राष्ट्रीय विमर्श को कई लोग हिंदी और उत्तर भारतीय संस्कृति के प्रभाव से जोड़कर देखते हैं।

यह कहना गलत होगा कि तमिलनाडु में हिंदू धर्म का प्रभाव नहीं है। राज्य में प्रसिद्ध मंदिरों की लंबी परंपरा है- मीनाक्षी अम्मन मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और बृहदीश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं बल्कि तमिल संस्कृति और गौरव का हिस्सा भी हैं। लेकिन तमिलनाडु में धार्मिक आस्था का अर्थ हमेशा राजनीतिक हिंदुत्व नहीं रहा। यहाँ लोग मंदिरों में गहरी श्रद्धा रखते हैं लेकिन वोट देते समय क्षेत्रीय हित, सामाजिक न्याय और स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देते हैं। भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि वह लंबे समय तक तमिलनाडु में मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार नहीं कर पाई। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, गुजरात में नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान समय-समय पर भाजपा की क्षेत्रीय ताकत का चेहरा बने। लेकिन तमिलनाडु में दशकों तक पार्टी के पास ऐसा कोई जनाधार वाला नेता नहीं था जो आम तमिल मतदाता से भावनात्मक जुड़ाव बना सके। हाल के वर्षों में के. अन्नामलाई ने भाजपा को नई ऊर्जा दी है लेकिन अभी भी पार्टी का संगठन राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में उतना मजबूत नहीं जितना द्रविड़ दलों का है। तमिलनाडु की राजनीति में सामाजिक न्याय और आरक्षण का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है। द्रविड़ आंदोलन ने पिछड़े वर्गों और गैर-ब्राह्मण समुदायों को राजनीतिक शक्ति दी। यही कारण है कि राज्य में सामाजिक न्याय की राजनीति बहुत गहराई से स्थापित हो चुकी है। भाजपा की छवि लंबे समय तक अलग रही है। हालांकि भाजपा ने अब पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों तक पहुँच बढ़ाने की कोशिश की है लेकिन तमिलनाडु में द्रविड़ दलों की सामाजिक पकड़ अब भी ज्यादा मजबूत है।

इसके अलावा तमिलनाडु में कल्याणकारी राजनीति का मॉडल भी दूसरे दलों के लिए चुनौतीपूर्ण है। मुफ्त राशन, महिला सहायता योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ, स्वास्थ्य सेवाएँ और सब्सिडी जैसी योजनाओं ने द्रविड़ दलों को जनता से गहराई से जोड़े रखा। यहाँ मतदाता केवल वैचारिक मुद्दों पर नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सुविधाओं और राज्य सरकार की योजनाओं के आधार पर भी वोट करते हैं। भाजपा का राष्ट्रीय विकास मॉडल लोगों को आकर्षित करता है लेकिन तमिलनाडु में स्थानीय कल्याणकारी राजनीति की पकड़ बहुत मजबूत है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि तमिलनाडु में राजनीति का भावनात्मक केंद्र 'क्षेत्रीय स्वाभिमान' रहा है। यहाँ लोग खुद को पहले तमिल मानते हैं- हालाँकि इसका अर्थ अलगाववाद नहीं बल्कि सांस्कृतिक गर्व है। भाजपा का राष्ट्रवादी विमर्श कई बार इस क्षेत्रीय अस्मिता से टकराता दिखाई देता है। द्रविड़ दल इस भावना को लगातार मजबूत करते रहे हैं कि वे 'तमिल हितों' के असली रक्षक हैं।

दरअसल, तमिलनाडु भारतीय लोकतंत्र का अलग अध्याय है। यहाँ मंदिर भी हैं, आस्था भी है, धार्मिक परंपराएँ भी हैं लेकिन राजनीति का केंद्र केवल धर्म नहीं है। यहाँ मतदाता अपनी क्षेत्रीय पहचान, सामाजिक अधिकारों और स्थानीय मुद्दों को भी उतनी ही गंभीरता से देखते हैं। भाजपा यदि तमिलनाडु में मजबूत होना चाहती है तो उसे केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर तमिल समाज की सांस्कृतिक संवेदनाओं, भाषा, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को गहराई से समझना होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

महिलाओं में थकान, कमजोरी और सिरदर्द हो सकते हैं एनीमिया के संकेत

जब शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, तो पर्याप्त हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता और व्यक्ति कमजोर महसूस करने लगता है। पुरुषों की तुलना में महिलाएं एनीमिया की अधिक शिकार होती हैं। इसके पीछे कुछ बायोलॉजिकल और लाइफस्टाइल से जुड़े कारण जिम्मेदार होते हैं।

महिलाओं के शरीर में कुछ ऐसे बायोलॉजिकल फैक्टर होते हैं जो एनीमिया का कारण बनते हैं। इसके अलावा खराब लाइफस्टाइल भी इसके लिए जिम्मेदार हो सकती है।

हिलाओं में एनीमिया का सबसे बड़ा कारण उनके पीरियड्स हैं। हर महीने पीरियड्स के दौरान शरीर में खून की कमी होती है। जिन महिलाओं को हेवी ब्लीडिंग होती है, उनमें आयरन की कमी जल्दी हो सकती है। अगर भोजन से पर्याप्त आयरन न मिले, तो शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। एक महत्वपूर्ण कारण प्रेग्नेंसी भी है। इस समय शरीर को मां और बच्चे दोनों के लिए एक्स्ट्रा पोषण की जरूरत होती है। यदि प्रेग्नेंट महिला पर्याप्त आयरन और पोषक तत्व न ले, तो एनीमिया होने का खतरा बढ़ जाता है। आजकल कई महिलाएं वजन कम करने के लिए बहुत कम खाना खाती हैं या ऐसे डाइट प्लान अपनाती हैं जिनमें पोषण की कमी होती है। इससे शरीर को जरूरी आयरन नहीं मिल पाता। लंबे समय तक ऐसा होने पर हीमोग्लोबिन का स्तर कम होने लगता है।

आमतौर पर एनीमिया के जो लक्षण नजर आते हैं उनमें थकान और कमजोरी, त्वचा की चमक कम होना, त्वचा का पीला पड़ना भी एनीमिया का संकेत है। ऐसी स्थिति में चेहरे, होंठों और आंखों की अंदरूनी पलकों में पीलापन दिखाई दे सकता है। कुछ महिलाओं को चक्कर आना, सिरदर्द या अचानक कमजोरी महसूस होती है। सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ा काम करने पर सांस फूलना भी एक सामान्य लक्षण है। दिल की धड़कन तेज होना, हाथ-पैर ठंडे रहना और किसी भी काम में फोकस न कर पाना भी एनीमिया का संकेत हो सकता है। बाल और नाखून कमजोर होना- बालों का झड़ना और नाखूनों का कमजोर होना भी आयरन की कमी से जुड़ा हो सकता है।

एनीमिया की पहचान कैसे करें ?: एनीमिया की सही जांच ब्लड टेस्ट से ही होती है, लेकिन कुछ आसान संकेत घर पर भी पहचाने जा सकते हैं। इन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच और इलाज से एनीमिया की समस्या जल्दी ठीक हो सकती है। कुछ लक्षणों को देखकर एनीमिया की पहचान की जा सकती है- अगर आंखों की अंदरूनी पलकें हल्की गुलाबी की जगह सफेद या बहुत पीली दिखें, तो यह खून की कमी का संकेत हो सकता है। अगर हर समय थकान महसूस हो और आराम करने के बाद भी शरीर में ऊर्जा न आए, तो डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए। सीढ़ियां चढ़ने, तेज चलने या हल्का काम करने पर ज्यादा सांस फूलना भी एनीमिया का संकेत हो सकता है।

एनीमिया के रोगी क्या खाएं ?: एनीमिया से बचने और हीमोग्लोबिन बढ़ाने में सही खानपान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनीमिया से बचने के लिए डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, सरसों और बथुआ रेगुलर डाइट में शामिल करें। दालें, चना, राजमा और बीन्स शरीर को आयरन और प्रोटीन दोनों देते हैं।

निशाना

क्या है तेरा हाल जमूरे..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

क्या है तेरा हाल जमूरे
बस हड्डी पे खाल जमूरे,
मिली न मंज़िल दौड़ा करता
दिल्ली। से भोपाल जमूरे,
वादे पर वादे बस देखो
बजते केवल गाल जमूरे,
अच्छे दिन तेरे आएंगे
खुशफहमी न पाल ज़मूरे,
सब स्वारथ में डूबे देखो
गले न तेरी दाल जमूरे,
चालों में इनकी न फंसना
फेंक रहे सब जाल जमूरे,
कोई बचाने न आयेगा
बन अपनी खुद ढाल जमूरे,

वायरल कंटेंट

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के ऊपर मंडराता दिखा UFO! सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के बीच अगर किसी जगह की सबसे ज्यादा चर्चा है तो वो है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज। लेकिन अब इस जगह पर यूएफओ देखे जाने की खबर है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ वॉर की तरफ से जारी नई फाइल्स में ये जानकारी लीक हुई है।

दुनिया के सबसे संवेदनशील जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अब यूएफओ की चर्चा हो रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा कथित गोलीबारी के बीच अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने यूएफओ यानी यूएपी से जुड़ी नई डीक्लासिफाइड फाइल्स जारी की है। इन फाइल्स में सितंबर 2020 की एक रिपोर्ट शामिल है जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के ऊपर 1800 फीट की ऊंचाई पर एक अनआइडेंटिफाइड एनोमलस फेनोमेना (यूएपी) को देखा गया। यह रिपोर्ट एक मिलिट्री ऑपरेटर द्वारा दी गई है। ऑब्जेक्ट शांतिपूर्वक हवा में मंडरा रहा था और सामान्य विमानों जैसी कोई आवाज या गति नहीं दिखा रहा था। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल व्यापार का महत्वपूर्ण चोक पॉइंट है जहां से रोजाना करोड़ों बैरल तेल गुजरता है। ऐसे में यहां यूएफओ का दिखना ना सिर्फ सैन्य बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। पेंटागन की नई वेबसाइट war.gov/ufo पर जारी इन फाइल्स में कई सीक्रेट दस्तावेज हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर यह ऐतिहासिक खुलासा किया गया है। फाइल्स में मिडिल ईस्ट के कई इलाकों खासकर इराक, सीरिया और संयुक्त अरब अमीरात में भी यूएपी देखे जाने की रिपोर्ट्स शामिल है।

ईरान में भी वायरल हुआ यूएफओ: इसके अलावा हाल के महीनों में ईरान के शहरों तेहरान, राश्त समेत कई जगहों पर एक अजीब चमकते ऑब्जेक्ट की वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं। क्लिप्स में ऑब्जेक्ट चुपचाप दिशा बदलता नजर आ रहा है। कुछ लोग इसे एलियन स्पेसक्राफ्ट बता रहे हैं तो कुछ इसे ड्रोन या सैन्य परीक्षण मान रहे हैं। 2020 की रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑब्जेक्ट काफी देर तक एक जगह पर स्थिर रहा और फिर अचानक गायब हो गया। मिलिट्री ने इसे ट्रैक करने की कोशिश की लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका।

यूएपी विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना सामान्य नहीं है क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका की अत्याधुनिक निगरानी व्यवस्था है। फिर भी ऑब्जेक्ट को पहचान नहीं पाया जाना हैरान करने वाला है। कुछ पूर्व सैन्य अधिकारी इसे विदेशी तकनीक या एलियन गतिविधि से जोड़ रहे हैं। वहीं आधिकारिक तौर पर पेंटागन ने कहा है कि ज्यादातर मामलों में इनकी व्याख्या बैलून, ड्रोन या प्राकृतिक घटनाओं से की जा सकती है, लेकिन कुछ मामले अभी भी अनसुलझे हैं।

यूजर्स अलर्ट

वॉट्सऐप-इंस्टा की सुरक्षा में दरार, रील्स के जरिए डेटा की सेंधमारी का खतरा! तुरंत कर लें अपडेट

दुनिया के सबसे बड़े मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स में शामिल वॉट्सऐप को लेकर एक अहम सिक्योरिटी अपडेट सामने आया है, जिसने करोड़ों यूजर्स का ध्यान खींचा है। इसकी पैरेंट कंपनी मेटा (Meta) ने 2026 के सिक्योरिटी एडवाइजरी में दो ऐसी खामियों को ठीक करने की जानकारी दी है, जो पहली नजर में मामूली लग सकती थीं, लेकिन सही तरीके से इस्तेमाल होने पर बड़े साइबर हमले का हिस्सा बन सकती थीं।

खास बात यह है कि ये सीधे फोन को हैक नहीं करतीं, लेकिन हमलावरों के लिए रास्ता आसान बना देती हैं। यानी अगर किसी यूजर को फंसाने के लिए पहले से कोई चाल चली जा रही हो, तो ये बग उस अटैक को और खतरनाक बना सकते थे। यही वजह है कि साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स इन्हें गंभीर मान रहे हैं और यूजर्स को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

पहली खामी CVE 2026 23866 के रूप में सामने आई, जो वॉट्सऐप के उस फीचर से जुड़ी थी जिसमें एआई बेस्ड रिच रिस्पॉन्स मैसेज के जरिए इंस्टाग्राम रील्स जैसे कंटेंट को एम्बेड किया जाता है। यह फीचर यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए लाया गया था, लेकिन कुछ वर्जन में इसकी जांच प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित नहीं थी। इस कमजोरी का फायदा उठाकर कोई हमलावर खास तरीके से तैयार किया गया मैसेज भेज सकता था। जब यूजर उस मैसेज को खोलता, तो ऐप किसी अनजान और अटैकर के कंट्रोल वाले लिंक से मीडिया लोड कर सकता था। कुछ मामलों में यह फोन के सिस्टम लेवल फीचर्स को भी ट्रिगर कर सकता था, जिससे यूजर को बिना जानकारी के किसी बाहरी कंटेंट की ओर रीडायरेक्ट किया जा सकता था।

दूसरी खामी CVE 2026 23863 थी, जो वॉट्सऐप के विंडोज वर्जन में पाई गई। यह अटैचमेंट स्पूफिंग से जुड़ी समस्या थी, जो देखने में साधारण लगती है लेकिन इसका असर काफी गंभीर हो सकता था।

अभी तक कोई बड़ा नुकसान नहीं: कंपनी ने साफ किया है कि अभी तक इन दोनों खामियों के दुरुपयोग का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। यानी इन्हें बड़े स्तर पर इस्तेमाल होते नहीं देखा गया है। फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसे बग्स को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इन्हें दूसरे साइबर अटैक्स के साथ जोड़कर बड़ा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। यही वजह है कि इन खामियों को समय रहते ठीक करना जरूरी था और मेटा ने इसे जल्दी पैच कर दिया है। यह भी सामने आया है कि इन बग्स की जानकारी बाहरी रिसर्चर्स ने कंपनी को दी थी, जिसके बाद इन्हें ठीक किया गया।

यूजर्स को क्या सावधानी रखनी चाहिए: ऐसे मामलों में सबसे जरूरी कदम यह होता है कि यूजर अपने ऐप को हमेशा अपडेट रखें, क्योंकि सिक्योरिटी पैच सिर्फ नए वर्जन में ही मिलते हैं।

न्यूज विंडो

महाराणा प्रताप जयंती पर गूंजे वीरता और स्वाभिमान के जयघोष

गंजबासौदा। श्री महाराणा प्रताप राजपूत समिति एवं क्षत्राणी शक्ति दल द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन श्री महाराणा प्रताप चौक पर किया गया, जहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर तिलक एवं माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप अमर रहें के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। समिति के अध्यक्ष ठाकुर प्रवीण प्रताप जादौन ने प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर वीरता और स्वाभिमान का संदेश दिया। इसके पश्चात क्षत्राणी शक्ति दल की महिलाओं ने भी तिलक लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समिति द्वारा क्षत्राणी महिलाओं का सम्मान भी किया गया। समिति के महासचिव प्रमोद सिंह राजपूत ने कहा कि महाराणा प्रताप वीरता, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं तथा उनका जीवन समाज को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेशनल ताइक्वांडो रेफरी सेमिनार संपन्न देशभर से खिलाड़ी हुए शामिल

गंजबासौदा। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं मप्र ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला ताइक्वांडो संघ विदिशा द्वारा स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में नेशनल रेफरी सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में देशभर से करीब 150 खिलाड़ी एवं रेफरी शामिल हुए। मुख्य प्रशिक्षक अंतरराष्ट्रीय रेफरी एवं ब्लैक बेल्ट 7 डान सुभाष पाटिल रहे। परीक्षा में सफल प्रतिभागियों को राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ऑफिशियल बनने का अवसर मिलेगा। समापन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव मुख्य अतिथि रहीं। अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य गायत्री रघुवंशी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरती गर्ग, महासचिव दिलीप थापा, सुरेंद्र राजपूत, विकास सिमरिया, सोनम ठाकुर, विकास थापा, राहुल गुप्ता एवं आकाश अग्रवाल उपस्थित रहे। बासौदा से हर्षिता विश्वकर्मा, देव सुनहरे, रितुल विश्वकर्मा, मोहित सूर्यवंशी, वैष्णवी विश्वकर्मा एवं खुशबू सेन ने सहभागिता की। खिलाड़ियों को कोच हेमंत कुमार विश्वकर्मा ने प्रशिक्षण दिया।

दो पहिया वाहनों से अवैध शराब की तस्करी कर था मैनेजर, शिकायत पर परिवार को घर में घुसकर दी धमकी

सुनवाई न होने पर पति-पत्नी और बेटे ने थाने के बाहर खाया जहर, मैनेजर पर मामला दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

मनावर तहसील के ग्राम गणपूर में अवैध शराब की ब्रिकी के खिलाफ आवाज उठाना एक परिवार को भारी पड़ गया। शराब ठेकेदार के मैनेजर और उसके साथियों की धमकी से परेशान होकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने रविवार को मनावर थाना परिसर में जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने देर रात आरोपी मैनेजर और उसके साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत तब हुई जब ग्राम गणपूर निवासी विनोद जायसवाल ने दोपहिया वाहनों से की जा रही अवैध शराब की ब्रिकी का वीडियो बना लिया। विनोद ने इसकी सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक बाइक और अवैध शराब जब्त की। इस कार्रवाई से नाराज शराब ठेके का मैनेजर कमलेश राठौड़ अपने साथियों के साथ विनोद के घर जा पहुंचा।

परिजनों का आरोप है कि मैनेजर कमलेश राठौड़ तीन बिना नंबर की बोलेरो गाड़ियों में सवार होकर आया और विनोद की मां चिंताबाई के साथ गाली-गलौज की। जब विनोद के पिता नरेंद्र और भाई अनिल ने बीच-बचाव कर वीडियो बनाना शुरू किया, तो आरोपी वहां से भाग निकले। जाते-जाते उन्होंने धमकी दी कि यदि पुलिस में शिकायत की या काम में बाधा डाली, तो पूरे परिवार को झूठे केस में फंसाकर खत्म कर दिया जाएगा।

सुनवाई न होने पर उठाया खौफनाक कदम

धमकी से डरा हुआ परिवार शिकायत दर्ज कराने मनावर थाने पहुंचा था। परिजनों का आरोप है कि वहां उनकी सुनवाई नहीं हुई, जिससे हताश होकर पिता नरेंद्र, माता चिंताबाई और भाई अनिल ने थाना परिसर के बाहर ही चूहे मारने की दवा खा ली। रविवार रात को माता-पिता को इलाज के लिए बड़वानी रेफर किया गया था। तीनों की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर मनावर थाने पहुंचे और दोनों पक्षों से चर्चा की। पुलिस ने आरोपी मैनेजर कमलेश राठौड़ और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। फिलहाल मुख्य हा है।

लालबर्रा पुलिस ने 48 गौवंश और 6 पिकअप वाहन जब्त कर की कार्रवाई

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले की लालबर्रा पुलिस ने गौतस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए 48 गौवंश और 6 पिकअप वाहन जब्त किए हैं। कार्रवाई रविवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से मिली सूचना के बाद की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर वाहनों को पकड़ा। मौके से 27 गौवंश वाहनों में भरे मिले, जबकि 21 गौवंश आसपास बंधे हुए पाए गए। कार्रवाई के दौरान चालक और अन्य आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने गौवंश प्रतिषेध अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने मनाया 'सलाम 1857', शहीदों को दी श्रद्धांजलि

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा 'सलाम 1857' अभियान के तहत फुटेरा शरीफ स्थित सैयद बाबा साहब दरबार में चादर पेश कर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बहादुर शाह जफर, महारानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, मंगल पांडे, बेगम हजरत महल सहित सभी शहीदों को याद किया गया। राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि 10 मई 1857 का संग्राम भारत की स्वतंत्रता की नींव था, जिसने देश में एकता और आजादी की भावना को मजबूत किया। कार्यक्रम में सर्वधर्म समभाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।

सेवा कार्यों के लिए तनवानी सम्मानित

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय बैरागढ़ द्वारा नेत्र शिविरों के माध्यम से वर्षों से सेवा कार्य कर रहे दृष्टि मित्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आसाराम बापू चौराहे स्थित नवनिर्मित भवन में आयोजित कार्यक्रम में सेवाभावी कार्यकर्ताओं को मोमेंटो, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गंजबासौदा एवं विदिशा में लंबे समय से नेत्र चिकित्सा शिविरों में सेवा दे रहे सुरेश मोतियानी, राजकुमार माटा, हरीश वाधवानी, गुरमुख दास छुगानी, सुरेश कुमार तनवानी, नरेंद्र पीतलिया, मनमोहन बंसल, श्रीचंद भाऊ एवं चंद्रमोहन अग्रवाल सहित कई सदस्यों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि हांगकांग के सेवाभावी दानदाता दादा कान लखानी एवं परिवार, सिद्ध भाऊ साहब, डॉ. प्रेरणा उपाध्याय सहित अन्य अतिथियों ने सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में आवतरामानी भाऊ ने आभार व्यक्त किया।

कलश यात्रा के साथ शिवधाम गमाकर में धार्मिक महोत्सव शुरू

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

समीपस्थ स्वयंभू शिवधाम गमाकर में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर 7 दिवसीय धार्मिक आयोजन का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालु शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जय श्रीराम÷ व हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से निकली, जहां ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। आयोजन के तहत श्रीराम कथा एवं पंच दिवसीय पार्थिव शिवलिंग रुद्री निर्माण शिवार्चन महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। कथावाचन पूज्य देवी रमा किशोरी जी एवं धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन पं. लक्ष्मीनारायण शास्त्री कर रहे हैं। कार्यक्रम 16 मई तक प्रतिदिन शाम 7 से रात्रि 10 बजे तक चलेगा। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

सरदारपुर पुलिस ने ताराघाटी में हुई दिनदहाड़े लूट का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, 4 फरार

धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर पुलिस ने ताराघाटी क्षेत्र में हुई सनसनीखेज लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की राशि और घटना में उपयोग की मोटरसाइकिल सहित कुल 1 लाख 61 हजार रुपये का मश्रुका बरामद किया है। मामले में चार अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर ने प्रेस वार्ता कर मामले में खुलासा किया है।

मई को ग्राम चामझर निवासी पप्पू पिता केलसिंह अनारे अपनी पत्नी के साथ रिंगनोद आए थे। उन्होंने चांदी गिरवी रखकर 2 लाख 70 हजार लिए थे। जब वे वापस लौट रहे थे, तभी टांडा रोड वन चौकी के पास मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर उन्हें गिरा दिया और रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। फरियादी की शिकायत पर थाना सरदारपुर में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, पारुल बेलापुरकर एवं एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने साक्ष्य और तकनीकी आधार और साइबर टीम की मदद से संदिग्धों की घेराबंदी की गई। बीते शनिवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ताराघाटी लूट की वारदात को गोकुल निवासी भीलखेड़ी और मुकाम निवासी कालीदेवी ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर गोकुल पिता हरिसिंह और मुकाम पिता धनसिंह गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने कुबूल किया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दो टोलियां बनाई थीं और योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर लूट को अंजाम दिया था। पुलिस ने इनके पास से एक लाख नगद और 60 हजार रुपय कीमत की बाइक को जप्त किया है। मामले में लोकेश पिता करमसिंह, सन्नी पिता जानू, राजेश पिता कापसिंह और नन्नु पिता भुवानसिंह सभी निवासी कालीदेवी फरार हैं।

पेड़ पर लटका मिला युवक , पिता ने जताई हत्या की आशंका

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दीपनाखेड़ा थाने में कलारी के कुछ दूरी पर युवक का शव नीम के पेड़ पर अर्धनग्न हालत में लटका मिला । आधी शर्ट और आधी पेंट फटी हुई थी। पेड़ के पास ही शराब की बोतल भी पड़ी हुई थी। युवक की पहचान महेश शर्मा 25 चाटोली के रूप में हुई ।युवक अपने दो साथियों के साथ रविवार सुबह ही दीपनाखेड़ा आया था सुबह 10 से 11 के बीच कलारी से शराब खरीदी थी।लगभग 2 बजे पुलिस को फांसी पर लटके हुए युवक की सूचना मिली। मृतक महेश शर्मा विवाहित है उसकी एक संतान भी है।मृतक के पिता ब्रजसुंदर ने बताया कि हमारे गांव के कुछ लोगों से खेत को लेकर विवाद चल रहा है वो हमारी फसल काटने भी पहुंचे थे। उन्होंने महेश को मारने की धमकी भी दी।

विश्व शांति महायज्ञ व चल समारोह के साथ सिद्धचक्र विधान संपन्न

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, चंद्रप्रभु कॉलोनी में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की प्रेरणा एवं नवाचार्य श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से बाल ब्रह्मचारी संजीव भैय्या जी के सान्निध्य में आयोजित अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। विधान के दौरान 1008 अर्घ सिद्ध परमेष्ठियों को समर्पित किए गए। प्रतिदिन महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा एवं देव-शास्त्र-गुरु की संगीतमय पूजा हुई। वहीं बाल ब्रह्मचारी संजीव भैय्या जी के मंगल प्रवचनों का श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पीले वस्त्र धारण कर सिद्ध प्रभु की आराधना की। समापन अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ एवं हवन आयोजित किया गया। इसके पश्चात भगवान की प्रतिमा को चांदी की पालकी में विराजित कर विमान जी का चल समारोह निकाला गया। गाजे-बाजे और जयकारों के बीच निकले चल समारोह में बड़ी संख्या में इंद्र-इंद्राणी शामिल हुए। चल समारोह श्री चंद्रप्रभु जिनालय वार्ड क्रमांक-1 से प्रारंभ होकर नानाजी वाली गली, सुभाष चौक, नेहरू चौक एवं अंबेडकर चौक होते हुए श्री महावीर विहार पहुंचा।

मेट्रो एंकर महामाई परिसर में बह रही ज्ञान की गंगा

कथा ही इस संसार सागर से पार लगाने का दिव्य रास्ता

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर की आराध्य देवी श्री महामाई माता मंदिर डांग वाली के जागृत दरबार में पहली बार आयोजित हो रहे 121 कुंडात्मक विशाल श्री विद्या महालक्ष्मी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन धर्म एवं अध्यात्म की अमृत वर्षा हो रही है। बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं।

श्री महामाई माता मंदिर प्रांगण में क्षत्रिय बघेल राजपूत समाज द्वारा 7 मई से 15 मई तक आयोजित इस दिव्य महायज्ञ का संचालन श्रद्धा एवं भक्ति भाव से किया जा रहा है। यज्ञाचार्य पंडित नलिनीकांत शर्मा के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में आहुतियां प्रदान कराई जा रही हैं। आकर्षक एवं भव्य रूप से सुसज्जित यज्ञशाला में निर्मित हवन वेदियों पर यजमान श्रद्धापूर्वक आहुतियां अर्पित कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वही प्रतिदिन कथा प्रवक्ता गौसेवा कुंज उज्जैन से पधारीं सुश्री सुगना बाईसा अपनी मधुर एवं अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करा रही हैं।

कथा के तृतीय दिवस रविवार को उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा इस संसार सागर से पार लगाने वाली दिव्य कथा है। इसके श्रवण मात्र से मनुष्य के जीवन के पाप नष्ट हो जाते हैं तथा जीवन को सही दिशा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण ही सबसे बड़ा आधार है। जिस प्रकार रामसेतु निर्माण में भगवान राम के नाम की महिमा से कार्य पूर्ण हुआ, उसी प्रकार जो व्यक्ति सच्चे मन से प्रभु का नाम स्मरण करता है उसका जीवन भी सफल हो जाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश देते हुए कहा कि धन का उपयोग सदैव अच्छे एवं पुण्य कार्यों में करना चाहिए, क्योंकि सद्कार्यों में लगाया गया धन यश, वैभव एवं पुण्य की वृद्धि करता है, जबकि बुरे कार्यों में लगाया गया धन विनाश का कारण बनता है। कथा के दौरान पतिव्रता माता अनुसुइया की कथा का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश उनकी परीक्षा लेने पहुंचे थे, लेकिन माता अनुसुइया के सतीत्व एवं तपबल के प्रभाव से तीनों देव बाल स्वरूप में परिवर्तित हो गए। इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने धर्म के मार्ग पर चलने, माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने तथा सदाचारपूर्ण जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य के जीवन में दुखों का समय आता है, तब उसे भगवान का स्मरण होता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सदैव प्रभु भक्ति एवं धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर कथा एवं महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे तथा धर्म लाभ प्राप्त किया।

न्यूज विंडो

पत्रकार पर एफआइआर और प्रशासनिक जांच पर उठे सवाल

अनूपपुर। जिले के कोतमा क्षेत्र में एक पत्रकार पर दर्ज की गई एफआईआर को लेकर अब कई गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। मामला केवल एक शिकायत या एफआईआर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक प्रक्रिया, पत्रकारों की सुरक्षा और निष्पक्ष जांच व्यवस्था पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री Shivraj Singh Chouhan के कार्यकाल में विधानसभा चुनाव के दौरान यह बात सामने आई थी कि सीएम हेल्पलाइन पर की जाने वाली फर्जी शिकायतों की पहचान कर संबंधित लोगों पर जिला प्रशासन द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उद्देश्य यह था कि झूठी शिकायतों पर रोक लगे और सरकारी कर्मचारियों का अनावश्यक उत्पीड़न न हो। लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसी कार्रवाई कितनी हुई, यह आज भी बड़ा प्रश्न बना हुआ है। इसी संदर्भ में अब कोतमा का मामला चर्चा में है। सवाल यह उठाया जा रहा है कि क्या कोतमा के किसी डॉक्टर द्वारा विभाग को यह निवेदन किया गया था कि संबंधित शिकायत गलत है और शिकायतकर्ता पर कार्रवाई की जाए यदि ऐसा था तो ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर द्वारा क्या जांच की गई और उस जांच की रिपोर्ट क्या रही। स्थानीय लोगों और पत्रकार संगठनों का कहना है कि यदि शिकायत वास्तव में गलत थी तो निष्पक्ष जांच होना आवश्यक था। लेकिन यदि बिना विस्तृत जांच और सत्यापन के सीधे पत्रकार पर एफआईआर दर्ज की गई, तो यह प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है।

उमरिया कलेक्ट्रेट के आसपास फैली गंदगी, स्वच्छ भारत मिशन पर उठे सवाल

उमरिया। कलेक्ट्रेट के आसपास इन दिनों कई स्थानों पर कचरे के ढेर लगे होने से आम नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। जिला मुख्यालय के प्रमुख प्रशासनिक क्षेत्र में फैली गंदगी स्वच्छता व्यवस्था की पोल खोल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास के मार्गों पर लंबे समय से कचरा जमा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा नियमित साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। कई जगहों पर प्लास्टिक, घरेलू कचरा और सड़ी-गली सामग्री खुले में पड़ी रहने से बदबू फैल रही है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का आरोप है कि जब जिला मुख्यालय का यह हाल है तो ग्रामीण और अन्य शहरी क्षेत्रों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर वर्ष लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। कलेक्ट्रेट में प्रतिदिन विभिन्न कार्यों से सैकड़ों लोग पहुंचते हैं, लेकिन प्रशासनिक कार्यालयों के आसपास ही गंदगी के ढेर लगे होना स्वच्छता अभियान की गंभीरता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। लोगों ने मांग की है कि नगर पालिका और संबंधित विभाग तत्काल सफाई अभियान चलाकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाए तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

कैनाइन डिस्टेंपर से पांच बाघों की मौत के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में अलर्ट

टाइगर रिजर्व में 35 से अधिक बाघ मौजूद सुरक्षा के लिए होगा श्वानों का वैक्सीनेशन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से बाधित टी-141 समेत उसके चार शावकों की मौत के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यहां अनुमानित 35 बाघों की निरंतर निगरानी और सख्त कर दी गई है वन अधिकारियों ने बाघों के साथ-साथ तेंदुओं की सुरक्षा के लिए विशेष मॉनिटरिंग अभियान शुरू कर दिया है। इस वायरस से प्रभावित जानवर धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाता है, उसकी याददाश्त भी चली जाती है। दो साल पहले देवास में तेंदुए को यह संक्रमण हुआ था जिससे उसकी याददाश्त चली गई थी वह कमजोर हुआ तो लोगों ने उसके साथ वीडियो बनाए। यहां तक की उसके ऊपर भी बैठ गए थे जो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे

जैसे नाम से ही स्पष्ट है कि कैनाइन डिस्टेंपर वायरस मुख्य रूप से कुत्तों (कैनाइन) और बिल्ली प्रजाति (फैलाइन) के जंगली प्राणियों में फैलने वाला संक्रमण है इस वायरस से बाघ, शेर, तेंदुआ, चीता जगुआर जैसी बिल्ली प्रजाति के साथ ही भेड़िया, सियार, लोमड़ी और रैकून जैसी कुत्ते प्रजाति के जानवर भी संक्रमित हो सकते हैं। कुत्तों के साथ आसपास के गांव में गाय भैंस का भी टीकाकरण किया गया था। शाकाहारी जानवरों में मुंहपका और खुरपका रोग होता है यह जानवर जंगल में चरने जाते है ऐसे में उनसे यह रोग अन्य शाकाहारी जानवर जैसे हिरण और नीलगाय में फैल सकता है। बीमार जानवर का मांस खाने से बाघ को अटैक आने की संभावना रहती है। इसलिए पिछले साल ही आसपास के गांव के गाय-भैंस को एफएमडी व एसएसबीक्यू वैक्सीन लगाई गई थी। विशेषज्ञ के अनुसार करीब 72 प्रतिशत कुत्तों में यह होता है, पर सभी को असर नहीं करता यह कभी भी ट्रिगर कर सकता है। इसके लिए टीकाकरण आवश्यक है। कुत्तों के वैक्सीनेशन का काम करने वाली यारा फाउंडेशन की स्वाति विश्वास ने बताया कि यह वायरस कैनाइन स्पीसिस में होता है, इसके लिए वैक्सीनेशन होता है लेकिन कैनाइन वायरस की वैक्सीन बहुत महंगी होती है तो सभी कुत्तों में लगाना संभव नहीं है।

पिछले साल लगाई थी 240 कुत्तों को वैक्सीन

टाइगर रिजर्व ने पिछले साल आसपास के गांवों में कुत्तों का टीकाकरण कराया था। वनक्षेत्र से लगे हिनौती, हरदुआं, चनगुंवा, छिरारी, बगासपुरा, गुणा, तालसेमरा, देवलपानी, सलैया और अंनतपुरा, बेलखेड़ी, सिमरिया गांव में करीब 240 से अधिक कुत्तों का टीकाकरण कराया था। इस बार भी संक्रमण की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त सावधानियां बरती जा रही है अधिकारी लगातार बाघों के व्यवहार पर नजर रखे हुए है। कोई भी असामान्य लक्षण जैसे कमजोरी, भटकाव या याददाश्त की कमी दिखते ही तुरंत हस्तक्षेप किया जाएगा।

क्या है कैनाइन डिस्टेंपर वायरस

कैनाइन डिस्टेंपर वायरस एक बेहद संक्रामक बीमारी है जो मुख्य रूप से श्वानों और जंगली मांसाहारी जानवरों में फैलती है। यह केवल श्वानों तक सीमित नहीं, बल्कि बाघ, शेर, तेंदुआ, लोमड़ी, भेड़िया लकड़बग्घा और अन्य जीवों को भी संक्रमित कर सकता है। जंगलों में अक्सर आवारा या संक्रमित श्वान इसका बड़ा स्रोत माने जाते हैं।

कुत्तों से बाघों तक पहुंच सकता है यह वायरस

यह वायरस आमतौर पर संक्रमित कुत्तों से जंगली जानवरों तक पहुंचता है। गांवों से जंगल तक फैलने का खतरा होता है। टाइगर रिजर्व के आसपास लगभग 40 गांव बसे हुए हैं। यदि इन गांवों में कोई कुत्ता संक्रमित हुआ तो वायरस तेजी से अन्य कुत्तों में फैल सकता है। जंगल में घुसने वाले कुत्तों के माध्यम से यह बाघों और तेंदुओं तक पहुंचने का खतरा बना रहता है। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि यह वायरस सभी कैनाइन और फैलाइन प्रजातियों को प्रभावित कर सकता है। जंगल का क्षेत्रफल बहुत बड़ा होने के कारण हर जगह निगरानी रखना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हम बाघों की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। लक्षण दिखते ही तुरंत इलाज और वैक्सीनेशन की व्यवस्था की जाएगी साथ ही आवारा श्वानों का वैक्सीनेशन किया जाएगा जिस पर कार्ययोजना बनाई जा रही है।जल्द ही इस पर कार्रवाई की जाएगी।

महिला समिति ने 29 मई को थाना जैतहरी के धरना प्रदर्शन किए जाने का लिया निर्णय

जैतहरी। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश की बैठक जैतहरी में श्रीमती पार्वती राठौर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में प्रमुख रूप से एडवा के राज्य केन्द्र के नेतृत्व कारी साथी नीना शर्मा मौजूद रहीं है। बैठक में हाथी के उत्पात से जान माल की खतरा पर समुचित मुआवजा नहीं दिया जाना, मनरेगा में भृष्टाचार एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्षपात के साथ साथ महिला के साथ छेड़छाड़ की घटना पर थाना जैतहरी में कार्यवाही नहीं करने पर विस्तार से चर्चा की गई और विचार विमर्श कर 29 मई को थाना जैतहरी के समक्ष धरना प्रदर्शन एवं आमसभा किये जाने का निर्णय लिया गया। धरना प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की प्रांतीय अध्यक्ष व मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर की अधिवक्ता अंजना कुररिया प्रमुख रूप मौजूद रहेंगी।

शव को दफनाने कचरा वाहन से ले गए

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने मानवता शर्मसार और संवेदनशीलता को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं बीते दिन बगदरी के जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ चार-पांच दिन पूर्व का एक अज्ञात शव शुक्रवार को देखा गया सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसकी पहचान करने का प्रयास किया गया, लेकिन काफी खोजबीन और पूछताछ के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी पहचान नहीं होने के कारण शव को लावारिस घोषित कर दिया गया। शनिवार शाम नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा उक्त अज्ञात शव को नगर के खकरिया मार्ग पर सड़क से लगभग 40 फीट दूर वार्ड 9 स्थित संदीपनी विद्यालय एवं कॉलेज के पास जहां पूरे नगर का कचरा निष्पादन केंद्र है उसी जगह दफनाया गया। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में जो दृश्य सामने आया, उसने नगरवासियों को स्तब्ध कर दिया। नगर परिषद द्वारा शव को ले जाने के लिए किसी शव वाहन का उपयोग नहीं किया गया,

बल्कि कचरा ढोने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर अंतिम स्थल तक पहुंचाया गया। हैरानी की बात यह रही कि ट्रॉली में उस समय भी कुछ कचरा मौजूद था इस घटना को जिसने भी देखा, वह आश्चर्य और दुख में पड़ गया। नगर के महाराज सिह,सुखदेव का कहना है कि चाहे शव लावारिस ही क्यों न हो, लेकिन वह भी किसी इंसान का शरीर था और उसके साथ गरिमा एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए था। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि क्या प्रशासन के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं थी? क्या किसी अन्य वाहन की व्यवस्था नहीं की जा सकती थी।

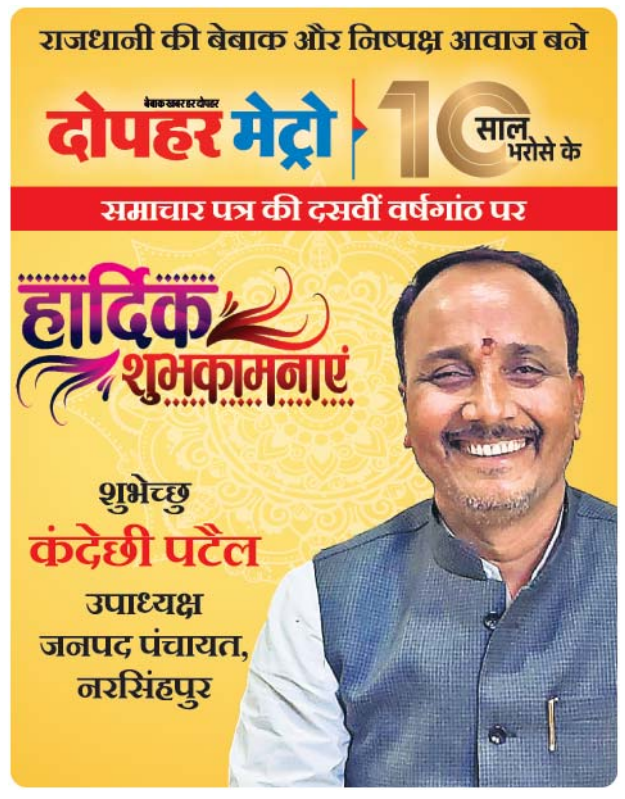

सरपंच ने स्वयं के खर्चे से बनवाया तालाब

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के रीठी जनपद की ग्राम पंचायत पटेहरा के पोषक ग्राम खाम्ह में जनसेवा की एक अनूठी मिसाल पेश की गई है। यहां के सरपंच राम सहाय बेन ने अपने निजी संसाधनों और जमापूंजी से ग्रामीणों के लिए एक आधुनिक सरोवर का निर्माण कराकर एक नई पहल की है। पेशे से जन स्वास्थ्य रक्षक राम सहाय बेन ने अपनी निजी भूमि पर लगभग 25 लाख रुपये की लागत से इस सरोवर को तैयार कराया है। सरपंच के अनुसार, इस सपने को साकार करने में उन्हें 10 वर्षों का लंबा समय लगा। इसे केवल एक पारंपरिक तालाब की तरह नहीं, बल्कि एक आधुनिक स्विमिंग पूल के स्वरूप में विकसित किया गया है। रात के समय इसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए यहां आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था भी की गई है।

प्रशासन की सख्ती बेअसर, जलाई जा रही बेखौफ नरवाई

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले में प्रशासन की सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद खेतों में नरवाई जलाने के मामले नहीं रुक रहे हैं। देर शाम जिले के पलटवाड़ा क्षेत्र में फसल कटाई के बाद किसानों ने खेतों में बची नरवाई में आग लगा दी। यह आग देखते ही देखते करीब 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैल गई, जिस पर समय रहते काबू पाकर बड़ा नुकसान टाल दिया गया।

मेट्रो एंकर एक मंजिल पर संचालित होंगी नपा, तीन मंजिलों पर बनेंगे शॉपिंग मॉल

अर्बन चैलेंज फंड के तहत नगर पालिका का चार मंजिला भवन बनाने भेजा प्रस्ताव, स्वीकृति मिलने का इंतजार

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले के बीना शहर में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार और नगर पालिका की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सीएमओ ने अर्बन चैलेंज फंड के तहत चार मंजिला बहुउद्देश्यीय भवन निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा है। नगर पालिका भवन निर्माण के लिए लंबे समय से जमीन भी तलाशी जा रही थी, लेकिन जमीन नहीं मिली है। यदि यह प्रस्ताव पारित होता है, तो अच्छा भवन मिल जाएगा।

प्रस्तावित भवन में एक मंजिल पर नगर पालिका संचालित होगी, जबकि तीन मंजिलों पर शॉपिंग मॉल विकसित होंगे। भवन के नीचे पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे शहर में बढ़ती पार्किंग समस्या को बहुत हद तक खत्म होगी। इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिलते ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही पीछे बने नए दो हॉलों में नगर पालिका को शिफ्ट कर दिया जाएगा और पुराना भवन तोडकर नए भवन का निर्माण शुरू होगा।

अर्बन चैलेज फंड योजना के तहत 25 प्रतिशत राशि शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी और 75 प्रतिशत राशि पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत निवेशकों के माध्यम से जुटाई जाएगी। पीपीपी मॉडल से परियोजना को तेजी से पूरा करने के साथ आधुनिक सुविधाओं का विकास भी बेहतर तरीके से होगा।

वर्तमान नगर पालिका भवन में सीमित जगह होने के कारण सभी कार्यालयों का संचालन करने में परेशानी होती है। नए भवन के बनने से सभी विभाग व्यवस्थित तरीके से संचालित हो सकेंगे और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। वर्तमान में छोटे-छोटे कमरों में कार्यालय चल रहे हैं, जिससे रिकॉर्ड रखने और बैठने में परेशानी होती है। यदि ज्यादा उपभोक्ता आ जाएं तो खड़े होने भी जगह नहीं मिलती है।

शहर में लगातार बढ़ रहे वाहनों के कारण पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। भवन के नीचे पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था प्रस्तावित है, जिससे बाजार आने वाले वाहन चालकों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। सीएमओ राहुल कौरव ने बताया कि अर्बन चैलेंज फंड के तहत प्रस्ताव मांगा गया था, जिसके तहत नगर पालिका भवन का प्रस्ताव भेजा गया है। यह भवन चार मंजिला होगा और नीचे पार्किंग रहेगी।

आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी मध्यप्रदेश भोपाल

क्रमांक 4152 खेलकूद /2026 भोपाल दिनांक 08/05/2026

आर.सी.वी.पी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी मध्यप्रदेश भोपाल कार्यालयीन उपयोग हेतु जिम मशीनों का क्रय हेतु Gem पोर्टल से ऑन लाईन टेण्डर https://gem.gov.in/ के माध्यम से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाना है।

उपरोक्तानुसार जिम मशीन क्रय हेतु Gem पोर्टल पर BID NO : Gem/2026/B/7510390/ एवं Gem/2026/B/7515130 का प्रकाशन GeM पोर्टल पर किया गया है। निविदा की शर्तें एवं अन्य विस्तृत जानकारी Gem पोर्टल पर देखी जा सकती है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 21.05.2026 शाम 13:00 बजे तक है। निविदा सूचना में कोई भी संशोधन समाचार पत्र में न दिया जाकर Gem पोर्टल की वेबसाईट पर ही जारी किये जायेगें। विस्तृत निविदा तथा अन्य Gem पोर्टल जानकारी पोर्टल https://gem.gov.in/ के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

प्रभारी अधिकारी खेलकूद
आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं
प्रबंधकीय अकादमी मध्यप्रदेश भोपाल

G-12664/26

आरसीबी के लिए आईपीएल में सिरदर्द बने 2 खिलाड़ी

जितेश शमा-रोमारियो शेफर्ड को करोड़ों में खरीदा, परफार्मेंस जीरो!

नई दिल्ली, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंटस के खिलाफ बीते दिन हुए मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जितेश से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन जितेश सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए, और टीम को बीच मंझधार में छोड़ गए। वहीं रोमारियो शेफर्ड ने 15 गेंदों में 23 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। दोनों ही खिलाड़ी लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहें हैं। वहीं बेंगलुरु की टीम को भी लखनऊ से 9 रनों से इस मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। ध्यान रहे आारसीबी ने जितेश शर्मा को 11 करोड़ और रोमारियो शेफर्ड को 1।50 में रिटेन किया था। पर अब तक इस आईपीएल में शेफर्ड से ज्यादा जितेश ने आरसीबी के मैनेजमेंट को निराश किया है।

इस सीजन में दोनों खिलाड़ी अपनी कीमत के अनुसार प्रदर्शन करने में अब तक सफल नहीं रहे हैं।जितेश शर्मा से मिडिल ऑर्डर में तेज रन और मैच फिनिश करने की उम्मीद थी, लेकिन उनका प्रदर्शन लगातार खराब रहा। वहीं रोमारियो शेफर्ड भी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और ऑलराउंड क्षमता का प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। लगातार फ्लॉप शो के बाद जितेश-शेफर्ड पर टीम से ड्रॉप होने का खतरा मंडरा रहा है। जितेश शर्मा के लिए आईपीएल 2026 बेहद खराब रहा है, वो अपनी पिछले साल की फॉर्म को दोहराने में बेहद नाकाम रहे हैं। इस बार 10 मैचों की 8 पारियों मे 108।47 के स्ट्राइक रेट से केवल 64 रन ही बनाए हैं। उनका ये खराब फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। जब कि पिछले साल उन्होंने 15 मैचों में 261 रन 37।28 के एवरेज और 176।35 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। यानी साफ है कि जितेश के फॉर्म में गिरावट है।

विस्फोटक पारी के लिए जाने जाते हैं शेफर्ड

वहीं दूसरा नाम जो आरसीबी के लिए मुसीबत बना हुआ है है, वो है रोमारियो शेफर्ड का, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबजी और डेथ ओवर्स में तेज रन बनाने की क्षमता है। उन्हें आरसीबी के लिए एक महत्वपूर्ण फिनिशर बनाती है। हालांकि आईपीएल 2026 में उन्होंने आरसीबी के लिए 10 मैचों में मह 79 रन बनाए हैं , जिसमें उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 143.64 ही हा है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 10 मैचों में 5 विकेट लिए हैं, जहां उनका इकोनॉमी 12.94 दर्ज किया गया। यह ऑलराउंडर के हिसाब से फिट नहीं बैठता। जितेश ने आईपीएल में ओवरऑल 65 मैच खेले हैं, जहां उन्होंने 1055 रन 22.44 के एवरेज और 152.89 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं रोमारियो ने ओवरऑल 28 आईपीएल मैचों में 26.40 के एवरेज और 185.91 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। रोमारियो ने इन मैचों में विकेट भी लिए हैं।

अजान अवैस का डेब्यू टेस्ट में धमाका, जड़ा यादगार शतक

मीरपुर। मीरपुर के शेर-ए बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में पाकिस्तानी टीम के सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने शानदार प्रदर्शन किया है। अवैस ने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में ही शतक जड़ दिया। 21 वर्षीय अजान अवैस ने मुकाबले के तीसरे दिन (10 मई) अपनी शानदार इनिंग्स को शतक में बदला और क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। पाकिस्तानी टीम की पहली पारी में अजान अवैस ने 14 चौके की मदद से 165 बॉल पर 103 रन बनाए। अवैस को तस्कीन अहमद ने नजमुल हुसैन शांतो के हाथों कैच आउट कराया। अजान अवैस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले 14वें पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में सबकुछ ठीक नहीं!

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर खिलाड़ियों- बोर्ड में बढ़ी तकरार, भविष्य पर दिख रहा असर

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इस समय बड़े बदलाव और अंदरूनी तनाव के दौर से गुजर रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (छ्व) की बिग बैश लीग (क्क्क्क) को निजी हाथों में देने की कोशिश भले ही फिलहाल सफल नहीं हुई हो, लेकिन उसके बाद से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के भीतर असंतोष लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। अब मामला सिर्फ बीबीएल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर नेशनल कॉन्ट्रैक्ट, खिलाड़ियों की संतुष्टि और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के भविष्य पर भी पड़ता दिख रहा है।

कोड स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम पांच सीनियर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने अभी तक अपने नए नेशनल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ खिलाड़ी नए कॉन्ट्रैक्ट में मिलने वाली रकम से खुश नहीं हैं, जबकि कुछ खिलाड़ी विदेशी टी20 लीग्स में खेलने के लिए ज्यादा आजादी चाहते हैं। खिलाड़ियों की मांग है कि उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) आसानी से मिले, ताकि वे दुनिया की बड़ी फ्रेंचाइजी लीग्स में हिस्सा ले सकें। पिछले कुछ सालों तक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट को सबसे ऊपर रखते थे। लेकिन अब इंडियन प्रीमियर लीग (IPL), SA20, इंटरनेशनल लीग T20 (ILT20) जैसी लीग्स खिलाड़ियों को भारी रकम ऑफर कर रही हैं। ऐसे में कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अब अपने करियर और कमाई को लेकर नई रणनीति बना रहे हैं।

कमिंस को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का बड़ा ऑफर

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस को लगभग 12 मिलियन डॉलर का तीन साल का बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिलने वाला है। कमिंस दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टार्स में शामिल हैं, लेकिन इस खबर के बाद कई खिलाड़ियों के बीच नाराजगी बढ़ी है। कुछ खिलाड़ियों का मानना है कि उनकी सैलरी अब आधुनिक फ्रेंचाइजी क्रिकेट के मुकाबले काफी पीछे रह गई है।

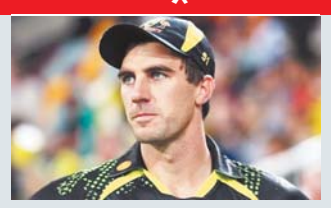

रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अक्टूबर में बीबीएल के 12 प्रमुख खिलाड़ियों ने एक वॉट्सऐप ग्रुप बनाया था। इस ग्रुप में खिलाड़ियों ने लीग के

अंदर सैलरी असमानता पर चर्चा की। खिलाड़ियों की शिकायत है कि कई विदेशी खिलाड़ियों को घरेलू ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से ज्यादा पैसा मिलता है, जबकि वे हमेशा बड़े नाम भी नहीं होते।

बीबीएल पहले से ही कई चुनौतियों से जूझ रही है। दूसरी टी20 लीग्स से मुकाबला, व्यस्त इंटरनेशनल शेड्यूल, बड़े खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी जैसी समस्याएं पहले से मौजूद हैं। अब अगर ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल खिलाड़ी भी ज्यादा पैसे के लिए विदेशी लीग्स को प्राथमिकता देने लगते हैं, तो बीबीएल के सामने पहचान का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि वह अपने खिलाड़ियों को कैसे संतुष्ट रखे और बीबीएल को दुनिया की टॉप ञ्20 लीग्स के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाए। अगर हालात नहीं बदले, तो आने वाले वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को अपने ही स्टार खिलाड़ियों को विदेशी लीग्स की तरफ जाते देखने का खतरा बढ़ सकता है।

मुंबई की प्लेऑफ की उम्मीदों पर फिरा पानी

आरसीबी टॉप पर, भुवनेश्वर-क्रुणाल पंड्या का रहा जलवा

रायपुर, एजेंसी

भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन और क्रुणाल पांड्या की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस को दो विकेट से हरा दिया। रविवार को रायपुर में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 166 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 167 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए इस मैच में कॉर्बिन बॉश ने चार और दीपक चाहर ने दो विकेट लिए जबकि गजनफर और राज बावा के नाम एक-एक विकेट रहा।

इस जीत के साथ आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई और प्लेऑफ की उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। वहीं, मुंबई इंडियंस का सफर लगभग समाप्त हो चुका है। फिलहाल टीम 11 में से आठ मुकाबले हारकर अंक तालिका में छह अंकों के साथ नौवें स्थान पर है जबकि लखनऊ 10वें पायदान पर है। वहीं, आरसीबी के खाते में 14 अंक हो गए हैं और उनका नेट रन रेट +1.103 है, जो बाकी टीमों के मुकाबले बेहतर है। इस तालिका में दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमश॰ सनराइजर्स हैदराबाद, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स मौजूद है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली को दीपक चाहर ने गोल्डन डक पर पवेलियन भेजा। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल भी 11 गेंदों का सामना करने के बाद 12 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रजत पाटीदार बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 8 रन बनाकर आउट हुए। जैकब बेथेल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 27 रन बनाने के बाद कॉर्बिन बॉश का शिकार बने।

मुंबई की पारी

इससे पहले, मुंबई इंडियंस ने 20 ओवरों के खेल में सात विकेट खोकर 166 रन बनाए। इस टीम ने 28 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। यहां से नमन धीर ने तिलक वर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 57 गेंदों में 82 रन जुटाए। नमन 32 गेंदों में दो छक्कों और पांच चौकों के साथ 47 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तिलक वर्मा ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। तिलक वर्मा 42 गेंदों में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में दो छक्के और तीन चौके शामिल रहे, जबकि राज बावा ने 16 रन और विल जैक्स ने 10 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से भुवनेश्वर कुमार ने सर्वाधिक चार विकेट हासिल किए, जबकि जोश हेजलवुड, रासिख सलाम डार और रोमारियो शेफर्ड ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मां बनने के बाद इमोशनल पोस्टपार्टम से गुजरीं कियारा, बदल गई जिंदगी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने पहली बार अपनी मदरहुड जर्नी पर बात की है। एक्ट्रेस ने 2025 में बेटी को जन्म दिया था। कियारा और सिद्धार्थ अपनी लिटिल प्रिंसेस संग अपने हर मोमेंट को यादगार बना रहे हैं। लेकिन मां बनने के बाद कियारा की जिंदगी काफी ज्यादा बदल गई है।राज शमानी संग लेटेस्ट पॉडकास्ट में कियारा ने इस बदलाव को अपना लिया है, लेकिन उनके मन में लगातार यह ख्याल आता है कि उनके फैसलों का उनकी बेटी पर क्या असर होगा और वो उसके सामने कैसा उदाहरण पेश कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हर महिला

इस दौर से अलग तरह से गुजरती है और इसका उन पर कई तरह से प्रभाव पड़ता है। कियारा ने अपनी इमोशनल पोस्टपार्टम जर्नी और पति सिद्धार्थ मल्होत्रा से मिले सपोर्ट पर भी खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके मूड स्विंग्स होते थे, इमोशनल ब्रेकडाउन हो जाता था। इससे बाहर निकलने में उन्हें करीब 6 महीने लगे। उन्होंने ये भी बताया कि कैसे कभी-कभी नई मांओं को बस एक ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो उनकी बातों को सुन सके। कियारा ने यह भी बताया कि बच्चे के जन्म के बाद सभी का ध्यान बच्चे पर ही लगा रहता है, जबकि एक मां की भावनात्मक जरूरतों पर किसी का ध्यान नहीं जाता। कियारा बोलीं- मुझे लगता है कि सब लोग बच्चे के बारे में ही ज्यादा सोचते हैं। बच्चा सो रहा है, बच्चा ठीक है।

रो पड़ती थीं कियारा

कियारा ने आगे कहा कि पोस्टपार्टम के शुरुआती दिनों में छोटी-छोटी बातें भी उन्हें रुला देती थीं। कियारा बोलीं- उस वक्त, मुझे नहीं पता था कि क्या मैं बस सिद्धार्थ को मिस कर रही थी या कुछ और, लेकिन मैं एक ऐसे दौर से गुजर रही थी जहां हर छोटी चीज मुझे ट्रिगर कर रही थी। मतलब कुछ भी... आप कोई ऐसी बात कह दें जिस पर आज हम शायद हंसें, लेकिन उन शुरुआती दिनों में किसी भी बात पर बस... पट-पट-पट-पट... मेरे आंसू निकल जाते थे।

'पति पत्नी और वो 2' को लेकर उत्साहित सारा अली खान रकुल प्रीत के किरदार पर आया था दिल

अपनी अपकमिंग ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर अभिनेत्री सारा अली खान उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री आए दिन मजेदार बातें दर्शकों के साथ साझा कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया।

सारा अली का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार खास है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार 'नीलोफर' में थी। आईएएनएस से बातचीत में आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली को रकुल प्रीत का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत की कॉमिक टाइमिंग की भी खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ÷मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बहुत अच्छा लगा। लेकिन अब जब मैंने

सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती। इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है।

मेट्रो बाजार

भारत का निजी पूंजीगत खर्च 67 प्रतिशत बढ़कर 7.7 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली। भारत का निजी पूंजीगत खर्च सितंबर 2025 में सालाना आधार पर 67 प्रतिशत बढ़कर 7.7 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह देश के निवेश साइकिल में पिछले एक दशक में सबसे मजबूत रिकवरी है। यह जानकारी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को दी।

सीआईआई के मुताबिक, इससे पहले सितंबर 2024 में पूंजीगत खर्च 4.6 लाख करोड़ रुपए था।

सीआईआई द्वारा सीएमआईई प्रॉवेस डेटाबेस से लगभग 1,200 कंपनियों के विश्लेषण से पता चला कि इसमें विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 3.8 लाख करोड़ रुपए था, जो कुल निजी निवेश का लगभग आधा है। इसमें धातु, ऑटोमोबाइल और रसायन जैसे क्षेत्रों का योगदान सबसे अधिक रहा। सेवा क्षेत्र का योगदान 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें व्यापार, संचार और आईटी/आईटीईएस उद्योगों का योगदान सबसे अधिक रहा। कई इंडिकेटर्स भी यह इशारा कर रहे हैं कि देश में निवेश गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में विनिर्माण कंपनियों की क्षमता उपयोग दर पिछली तिमाही के 74.3 प्रतिशत से बढ़कर 75.6 प्रतिशत हो गई, जबकि नए ऑर्डर में वार्षिक आधार पर 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक ऋण वृद्धि में भी तेज उछाल आया, जो वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में औसतन लगभग 14 प्रतिशत रहा, जबकि पहली छमाही में यह लगभग 10 प्रतिशत था। चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि निजी पूंजीगत व्यय में तीव्र वृद्धि इस बात का सबसे स्पष्ट संकेत है कि भारत का निवेश चक्र निर्णायक रूप से बदल गया है।

भारत में अन्य देशों की अपेक्षा न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता कम, सरकार के प्रयासों से विस्तार को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि देश में रिन्यूएबल एनर्जी में न्यूक्लियर एनर्जी एक रणनीतिक महत्व रखती है, जो जीवाश्म ईंधन की कीमतों में अस्थिरता से प्रभावित हुए बिना स्थिर, कम कार्बन उत्सर्जन वाली ऊर्जा प्रदान कर सकती है। साथ ही कहा कि भारत में न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता 8.2 गीगावाट की है और कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता में इसकी हिस्सेदारी करीब 2 प्रतिशत और जेनरेशन में 3 प्रतिशत के आसपास की है। यह अन्य देशों की अपेक्षा कम है और सरकार के न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र में प्रयासों से विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

रिपोर्ट में बताया गया कि सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 32 तक 22 गीगावाट न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता हासिल करना है, जिसका दीर्घकालिक लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के डिजाइन, विकास और स्थापित करने के लिए 200 अरब रुपए आवंटित करने वाले एक समर्पित न्यूक्लियर एनर्जी मिशन की घोषणा, अधिक लचीली, विस्तार योग्य और संभावित रूप से निजी क्षेत्र के अनुकूल परमाणु तैनाती की दिशा में एक बदलाव का संकेत देती है।

शांति फ्रेमवर्क के तहत प्रस्तावित सुधारों सहित समानांतर विधायी प्रयासों का उद्देश्य नियामक वातावरण का आधुनिकीकरण करना और नियामक निगरानी के तहत निजी भागीदारी को बढ़ाना है। रिपोर्ट में मॉर्गन स्टेनली ने कहा,हमारा मानना है कि इस रणनीति की सफलता क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी, विशेष रूप से वित्तपोषण, नियामक सुधार और आपूर्ति श्रृंखला विकास में। क्षमता विस्तार को आकार देने में वैश्विक साझेदारियां महत्वपूर्ण बनी रहेंगी। विभिन्न देशों में, कनाडा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि वह एक नए दीर्घकालिक समझौते के तहत भारत को यूरेनियम की आपूर्ति कर रहा है। भारत की परमाणु यात्रा में अमेरिका की भूमिका ईंधन-केंद्रित होने के बजाय अधिक संभावित और प्रौद्योगिकी-केंद्रित है।

लैंडिंग के दौरान टर्किश एयरलाइंस के विमान में लगी भीषण आग

काठमांडू एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

277 यात्रियों में मची चीख-पुकार

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोमवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब इस्तांबुल से आए टर्किश एयरलाइंस के विमान TK726 में लैंडिंग के दौरान अचानक आग लग गई। सुबह करीब पौने सात बजे जैसे ही विमान ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रनवे को छुआ, उसके पहियों से तेज आग की लपटें और धुआं उठने लगा।

यह खौफनाक मंजर देखकर विमान में बैठे 277 यात्रियों की सांसें थम गईं। कुछ ही सेकंड में विमान के अंदर चीख-पुकार मच गई और यात्री घबराकर सीटों से उठने लगे।

इमरजेंसी अलर्ट के बाद हरकत में आया दमकल विभाग

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने तुरंत इमरजेंसी घोषित कर दी। दमकल की कई गाड़ियां रनवे पर पहुंचीं और तेजी से आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग विमान के लैंडिंग गियर यानी पहियों के हिस्से में लगी थी, जिसे समय रहते काबू में कर लिया गया। अगर कुछ मिनट की भी देरी होती, तो यह हादसा भयावह रूप ले सकता था।

इमरजेंसी गेट खोलकर यात्रियों को निकाला बाहर

विमान में मौजूद यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए इमरजेंसी दरवाजे खोले गए। एयरहोस्टेस और क्रू मेंबर्स ने तेजी दिखाते हुए यात्रियों को स्लाइड के जरिए बाहर निकाला। इस दौरान कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आईं, लेकिन राहत की बात यह रही कि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि विमान में 4 बच्चे भी सवार थे और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

रनवे पर थम गई उड़ानों की रफ्तार

हादसे के बाद टर्किश एयरलाइंस का विमान रनवे पर ही खड़ा रह गया, जिससे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का संचालन बुरी तरह प्रभावित हो गया। बड़े विमानों की लैंडिंग रोक दी गई और कई अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स को आसमान में ही होल्ड पर रखना पड़ा। दिल्ली से आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट AI-215 और शारजाह से आने वाली व्9-536 को तुरंत उतरने की अनुमति नहीं मिली। इसके अलावा दुबई, भूटान, क्वालालंपुर और ग्वांगझाओ से आने वाली उड़ानें भी लंबे समय तक हवा में चक्कर लगाती रहीं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह तकनीकी खराबी मानी जा रही है। हालांकि, एयरपोर्ट अथॉरिटी और एविएशन विशेषज्ञ पूरे मामले की जांच में जुट गए हैं।

न्यूज विंडो

पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा आठ महीने बाद जेल से रिहा

बैंकॉक। थाईलैंड की राजनीति में दशकों तक विवाद और ध्रुवीकरण का केंद्र रहे पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को आज बैंकॉक की जेल से रिहा कर दिया गया।

भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में एक साल की सजा काट रहे 76 वर्षीय थाकसिन ने आठ महीने जेल में बिताए, जिसके बाद उन्हें पैरोल पर रिहाई मिली। बैंकॉक की क्लोंग प्रेम सेंट्रल जेल के बाहर उनके स्वागत के लिए करीब 300 समर्थक और राजनीतिक सहयोगी जुटे। थाकसिन सफेद पोलो टी-शर्ट और नीली पैंट में जेल से बाहर निकले, जहां उनके परिवार ने उन्हें गले लगाया। समर्थकों ने वी लव थाकसिन के नारे लगाए और उन्हें लाल गुलाब भेंट किए। हालांकि, उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। थाकसिन शिनावात्रा दूरसंचार कारोबार से जुड़े अरबपति कारोबारी रहे हैं। उन्होंने 1998 में अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई और 2001 में थाईलैंड के प्रधानमंत्री बने। 2006 में सेना ने तख्तापलट कर उनकी सरकार को हटा दिया था।

केरल में SIR से चुनाव जीत गई कांग्रेस, थरूर का अलग ही दावा

सैन फ्रांसिस्को। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल चुनाव के नतीजों को लेकर एक ऐसा दावा कर दिया है, जिससे सियासी भूचाल आ सकता है। शशि थरूर ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा है कि उनका मानना है कि केरल में कांग्रेस SIR की वजह से जीत गई। थरूर यहां SIR की आलोचना कर रहे थे लेकिन उन्होंने दावा किया कि SIR यानी मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन ने केरल में कांग्रेस की जीत में अहम रोल निभाया है। स्टैनफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में एक राउंडटेबल चर्चा के दौरान शशि थरूर ने केरल के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों पर भी बात की। थरूर ने दावा किया कि बंगाल में वोटर लिस्ट से करीब 91 लाख नाम हटा दिए गए थे जिनमें से कई लाख वैध वोटर्स हैं। शशि थरूर ने आगे स्वीकार किया कि SIR प्रक्रिया से केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले UDF को भी फायदा हुआ है। थरूर के मुताबिक, केरल में वामपंथी दल 'डबल और ट्रिपल एनरोलमेंट' (एक ही व्यक्ति का कई जगह नाम) के मास्टर रहे हैं और इन डुप्लीकेट नामों को हटाने से वोटर लिस्ट साफ हो गई, जिससे कांग्रेस को फायदा मिला। उन्होंने कहा, 'केरल में मुझे लगता है कि कांग्रेस को नाम हटाने से फायदा हुआ, क्योंकि CPM लंबे समय से डबल एनरोलमेंट, ट्रिपल एनरोलमेंट, मल्टी एनरोलमेंट, यानी एक ही व्यक्ति का चार अलग-अलग बूथों पर नाम होना, जैसी चीजों में माहिर थी।

बन रहे नए रिश्ते: नए गठजोड़ से प्रभावित होगा समीकरण

टीवीके को इंडिया गठबंधन में लाना चाहती है कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

विधानसभा चुनावों के नतीजों ने इंडिया गठबंधन की दिशा व दशा दोनों पर असर डालना शुरू कर दिया है। आपसी मतभेद सतह पर आ रहे हैं, तो नए रिश्ते बन और बिगड़ भी रहे हैं। भाजपा के बढ़ते असर से पुराने क्षेत्रीय दलों का आधार प्रभावित हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस सत्ताधारी टीवीके को इंडिया गठबंधन में लाने की कोशिश में है।

इंडिया गठबंधन पर पड़ेगा असर

द्रमुक कांग्रेस के अचानक टीवीके के साथ जाने से बेहद नाराज है। उधर कांग्रेस टीवीके साथ आने वाले निकाय चुनाव ही नहीं, 2029 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन करने की रणनीति बना रही है। द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने शनिवार को टीवीके का साथ देने वाले गैर कांग्रेसी छोटे दलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक ही दिन में द्रमुक के साथ अपने संबंध तोड़ लिए। इस बीच वामपंथी दल इंडिया गठबंधन में द्रमुक को बनाए रखना चाहते हैं। पर कोई हैरत नहीं कि आगे द्रमुक भाजपा के नजदीक जाते दिखे। पहले भी द्रमुक एनडीए में रह चुकी है।

यूपी में विपक्षी एकता की परख

बंगाल में सत्ता से बाहर होने के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने एक बार फिर भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों की एकजुटता की बात करने लगी हैं। कांग्रेस व तृणमूल के तल्ख रिश्ते अब ठीक होते दिखते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस को लेकर सशंकित हैं। उन्होंने इसका संकेत दे दिया है। वह द्रमुक का साथ छोड़ने से कांग्रेस पर तंज भी कर रहे हैं। सपा इंडिया गठबंधन का हिस्सा है।

द्रमुक की राह पर विजय सरकार!

कांग्रेस के सहारे सीएम बने विजय को तय करना है कि भाजपा के खिलाफ बने मोर्चे में किस तरह की भूमिका निभाना चाहते हैं। टीवीके द्रमुक की तरह केंद्र के खिलाफ सख्त तेवर दिखाते हुए टकराव का रास्ता अपनाएगी या खामोशी से काम करती रहेगी। भाजपा से वैचारिक दुश्मनी बताने वाली टीवीके पर इंडिया गठबंधन में आने व अहम भूमिका निभाने का दबाव भी बन सकता है। उनकी सरकार वैसे भी क्षीण बहुमत पर टिकी है और उस पर किसी भी सहयोगी दल से समर्थन वापसी की तलवार लटकी रहेगी।

पेट्रोल, सोना वाली बात पर बरसे राहुल गांधी कहा...

पीएम मोदी की 7 अपीलें उपदेश नहीं उनकी नाकामी

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से 7 अपील की हैं। खासतौर पर लोगों से वर्क फ्रॉम होम करने की अपील की है और पेट्रोल-डीजल आदि की खपत को भी सीमित करने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस अपील को एक वर्ग ने देश हित में माना है तो वहीं कुछ लोग इसे सरकार की नाकामी से जोड़ रहे हैं। अब नेता विपक्ष राहुल गांधी का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की बात उपदेश नहीं है बल्कि नाकामी के सबूत हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आखिर अपने 12 सालों के कार्यकाल में देश को मोदी सरकार ने क्या दिया है। हालात यहां तक हैं कि लोगों को बताना पड़ रहा है कि क्या वे क्या खरीदें और क्या नहीं।

राहुल गांधी ने लिखा, 'मोदी जी ने कल जनता से त्याग मांगे - सोना मत ख़रीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम जलाओ, खाद और खाने का तेल कम करो, मेट्रो में चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं - ये नाकामी के सबूत हैं। 12 साल में देश को इस मुक़ाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है - क्या ख़रीदे, क्या न ख़रीदे, कहां जाए, कहां न जाए।' इसके आगे कांग्रेस सांसद लिखते हैं कि हर बार ज़िम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं ताकि खुद जवाबदेही से बच निकलें। देश चलाना अब Compromised PM के बस की बात नहीं।

सांसद कार्ति चिदंबरम ने भी उठाए सवाल

राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस के एक और सांसद कार्ति चिदंबरम ने भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि आखिर ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई है। यह बताने के लिए सरकार को संसद का सत्र बुलाना चाहिए। सरकार को पूरे देश को बताना चाहिए कि आखिर ऐसा क्या हुआ है, जिसके चलते ऐसी अपीलें करनी पड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पूरे देश को भरोसे में लिया जाना जरूरी है। अचानक से ऐसी अपीलें करने या फिर कोई फैसला ले लेने वाली बात सही नहीं रहेगी। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में एक कार्यक्रम के दौरान ऐसी अपील की थी।

पीएम मोदी का ट्वीट: पोखरण परीक्षण ने भारत की वैज्ञानिक ताकत को दिखाया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और उनके समर्पण को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक देश के गौरव और स्वाभिमान के सच्चे निर्माता हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि हम अपने वैज्ञानिकों के कठिन परिश्रम को गर्व के साथ याद करते हैं। इसी मेहनत की वजह से 1998 में पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण संभव हुए थे। वह ऐतिहासिक पल भारत की वैज्ञानिक श्रेष्ठता और मजबूत संकल्प का प्रतीक था। उन्होंने आगे कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में तकनीक एक मुख्य स्तंभ बन गई है। यह नए आविष्कारों को गति दे रही है और विकास के नए अवसर खोल रही है। सरकार का पूरा ध्यान नई प्रतिभाओं को सशक्त बनाने और रिसर्च को बढ़ावा देने पर है, ताकि देश की प्रगति और लोगों की उम्मीदें पूरी हो सकें। पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि 1998 के पोखरण परीक्षण ने दुनिया को भारत की अद्भुत शक्ति से परिचित कराया। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री ने अपनी 'सुभाषितम' श्रृंखला साझा की। उन्होंने लिखा, 'अग्निर्मूर्धा दिवः ककुत्पतिः पृथिव्या अयम। अपां रेतांसि जिन्वति॥' इसका अर्थ है- 'अग्नि द्युलोक की सर्वोच्च शक्ति है और पृथ्वी पर स्थित समस्त ऊर्जा का मूल स्रोत है।

रिश्तों में नया मोड़: नौ साल बाद चीन जाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

बीजिंग। करीब नौ साल बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है। ऐसे समय में यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है, जब अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध, होर्मुज जलडमरूमध्य पर संकट और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी हुई है। साथ ही ताइवान, व्यापार और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर अमेरिका और चीन के बीच तनाव भी लगातार बना हुआ है।

दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक

व्हाइट हाउस की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी अन्ना केली के मुताबिक, ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे। गुरुवार को उनका भव्य स्वागत समारोह आयोजित होगा, जिसके बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी। कार्यक्रम में टेंपल ऑफ हेवन का दौरा और राजकीय भोज भी शामिल है। शुक्रवार को दोनों नेता एक बार फिर मुलाकात करेंगे, जहां चाय पर चर्चा और वर्किंग लंच का आयोजन होगा। अमेरिका ने संकेत दिए हैं कि इस साल के अंत में शी जिनपिंग की अमेरिका यात्रा भी हो सकती है।

मेट्रो एंकर

सन्दर्भ ... भारत भवन में राष्ट्रीय संविमर्श 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' का आयोजन

सरकारी धन से अपनी गोटियां सेट करने का काम नहीं करना चाहिए...

सुरेश शर्मा

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता संस्थान की स्थापना के समय का मैं साक्षी हूं, जब स्व.राधेश्याम जी शर्मा को महानिदेशक नियुक्त करके सुन्दर लाल पटवा की सरकार के समय इस संस्थान का उद्देश्य पूर्ण गठन किया गया था। मैंने श्री अच्युतानंद मिश्र के कुलपति होने के समय भी माखनलाल वि.वि. की गतिविधियों में भाग लिया। श्री बृजकिशोर कुठियाला की नियुक्ति से लगातार उनके साथ और विश्वविद्यालय के साथ भी मेरे संबंध रहे। श्री संजय द्विवेदी जब प्रभारी कुलपति बने तो उनका व्यवहार अनुज वत रहा। कमलनाथ सरकार ने जब विद्वेषपूर्ण आरोप लगाकर अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से जांच कराने का कुप्रयास किया तब भी मेरी मुखरता रही। के.जी सुरेश कुलपति बने तो मन प्रसन्न हुआ क्योंकि वे उसी संगठन की दिल्ली ईकाई के कार्यकर्ता रहे हैं जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व आजकल मेरे पास है। मतलब यह है कि माखनलाल वि.वि. के साथ संबंधों की निरंतरता बनी भी रही और अधिकांश विषयों पर चर्चा भी की जाती रही थी।

आजकल इस प्रतिष्ठित पत्रकारिता संस्थान के कुलगुरु वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक श्री विजय मनोहर तिवारी हैं। चूंकि भोपाल के हैं तब वे स्वाभाविक रूप से मेरे सहित भोपाल के अन्य पत्रकारों को जानते ही होंगे? विजय मनोहर इससे पहले सूचना आयुक्त रह चुके हैं। उनके कार्यकाल पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है, अच्छा ही रहा होगा। मेरा उनके साथ भी अच्छा ही संबंध है। उन्होंने उमा भारती पर लिखी अपनी किताब 'एक साध्वी की सत्ता कथा' मुझे भेंट की थी। वे अच्छा लिखते हैं। लेकिन उनके भारत प्रवास के समय उनका संघ प्रमुख के साथ वाला एक चित्र बड़ा प्रभाव डाल गया। वे सूचना आयुक्त और इसके बाद अनुभव न होते हुए भी कुलगुरु बना दिए गए। उनके काम से किसी को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि जो काम कुठियाला जी और संजय द्विवेदी साहब के समय विचारधारा को लेकर हुआ था वह तो इस समय तक शुरू ही नहीं हो पाया है। राधेश्याम जी ने जो नींव रखी थी उसका तो आजकल इनको महत्व ही समझ में नहीं आ रहा होगा। अच्युतानंद मिश्र ने विश्वविद्यालय को जो गरिमा और ऊंचाई दी थी उसको फिर से पाने का तो कोई सपना भी दिखाई नहीं देता। यदि कुछ दिखाई देता है तब वह अगली किसी नियुक्ति का जुगाड़ दिखाई दे रहा है। वो कैसे....?

पिछले दो दिन से माखनलाल वि.वि का लाखों का खर्चा करके एक आयोजन हो रहा है। स्वाभाविक है कि इसकी योजना - रचना बहुत सुन्दर है। आयोजन भी व्यवस्थित हो ही रहा होगा, क्योंकि सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। इस आयोजन में जिस प्रथम हिन्दी समाचार पत्र की आड़ ली गई है उसको लेकर भी कोई टिप्पणी नहीं कर सकता है। क्योंकि उदंत मार्त्तण्ड उस समय अनुकरणीय पहल थी। माखनलाल चतुर्वेदी नमन योग्य नाम है। पत्रकारिता का कोई भी उत्सव इन स्थापित नामों के बिना पूर्णाहुति को प्राप्त ही नहीं कर सकता। लेकिन इन पवित्र नामों की आड़ में स्थानीय प्रतिभाओं को याद ही न किया जाए। देश की अन्य प्रतिभाओं की अनदेखी करके एक कोठरी तक सब सीमित कर दिया जाए यह इन आदर्श प्रतीकों का अपमान ही है। पवित्र मकसद के पीछे अपनी अगली नियुक्ति की मंशा छुपाकर योजना बनाई जाए तो यह तो आदर्श कार्य नहीं कहा जा सकता? तीन दिन का यह पत्रकारीय उत्सव इसी महत्वाकांक्षा की बलि चढ़ता दिखाई दे रहा है। मध्यप्रदेश के अनेकों राष्ट्रवादी पत्रकारों की अनदेखी करके जिनके माध्यम से स्वार्थपूर्ति हो सके उन्हें इस आयोजन में महिमा मंडित किया गया है। प्रदेश के विजनरी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को वो ही सब दिखाया गया जो उन्हें दिखाया जा सकता है। आयुक्त जनसंपर्क महोदय को भी सच से दूर करने का प्रयास हुआ लगता है। निमंत्रण देने तक में पक्षपात हुआ है।

- लेखक नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

संज्ञान लें मुख्यमंत्री यादव

लाखों का खर्चा केवल अपने हित के लिए करना किसी आर्दश की बात करने वालों के लिए उचित नहीं है। एक अच्छा आयोजन, प्रतिभाओं के साथ भेदभाव की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए था। पत्रकारिता के लिए देश भर में अलख जगाने वाली मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को दरकिनार करने का खेल नहीं करना चाहिए था। विश्वास करता हूं कि इसे आक्रोश का नाम देकर समाप्त नहीं किया जाएगा। डा.मोहन यादव जी कृपया इसका संज्ञान लें। माखनलाल वि.वि में आखिरकार भटकाव क्यों आ गया? यहां से वह पत्रकारिता की फसल पैदा होना चाहिए जो विजन 2047 के अनुसार की पत्रकारिता को समझ सके। वह कहीं नहीं है। राष्ट्रवाद का जो अलख जगाया जा चुका था उस पर ठंडा पानी डालने के प्रयासों को रोकने की जरूरत है। यह जो हो रहा है तभी होता है जब मिशन पर स्वार्थ का प्रभाव अधिक भारी हो जाता है। आशा है सभी जिम्मेदार इसे समझने का प्रयास करेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564